राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 28 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-37 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में 10 रुपए के लिए 40 बच्चों ने हाथ काटे

वीडियो गेम खेलकर 7वीं क्लास के बच्चे ने टास्क दिया, जिसके ज्यादा घाव, उसे इनाम

अमरेली (एजेंसी)। गुजरात में एक गांव के सरकारी स्कूल में 40 बच्चों ने शार्पनर से अपने हाथ काट लिए। यह सभी 5वीं से 8वीं क्लास के स्टूडेंट्स हैं। इन्हें स्कूल के ही 7वीं क्लास के एक बच्चे ने टास्क दिया था कि जिसके हाथ ज्यादा घाव होंगे, उसे 10 रुपए इनाम दिया जाएगा।

इस स्टूडेंट को वीडियो गेम में ब्लू व्हेल गेम खेलकर ऐसा टास्क देने का आइडिया आया था। पिछले 8-10 दिन से बच्चे अपने हाथ पर कट लगा रहे थे। बुधवार को एक बच्चे के हाथ में कट देखकर उसके पेरेंट्स ने स्कूल में जाकर इसकी शिकायत की, तब मामला उजागर हुआ।

10 बच्चों से शुरू हुआ खेल 40 तक पहुंचा- मामला अमरेली जिले में मोटा मुंजियासर गांव के प्राथमिक विद्यालय का है। स्कूल से मिली जानकारी के मुताबिक, कक्षा 7 के एक स्टूटेंट ने अपनी क्लास के अन्य स्टूडेंट्स को ब्लेड से हाथ काटने का टास्क दिया था। पहले उसकी क्लास के करीब 10 बच्चे इसमें शामिल हुए और फिर धीरे-धीरे कर पांचवीं से आठवीं क्लास तक के 40 बच्चे टास्क में शामिल हो गए। स्टूडेंट ने टास्क के दौरान शर्त रखी थी कि जिसके हाथ पर ज्यादा यह गहरे घाव होंगे, उसका ही टास्क पूरा माना जाएगा।टास्क पूरा करने वाले को 10 रुपए का इनाम दिया जाएगा। जो स्टूडेंट टास्क पूरा नहीं कर पाएगा तो उसे 5 रुपए देने होंगे। जांच में पता चला है कि टास्क देने वाला स्टूडेंट मोबाइल लेकर स्कूल आता है और घर पर अक्सर ऑनलाइन गेम खेलता है। अमरेली के एएसपी जयवीर गढ़वी ने स्कूल पहुंचकर अभिभावकों के बयान दर्ज किए।

शिक्षक बोले- हमारी जिम्मेदारी नहीं- बवाल मचने पर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने कहा कि यह अभिभावकों की ही गलती है। वे बच्चों को मोबाइल देखने देते हैं।यह भी ध्यान नहीं देते कि बच्चा मोबाइल पर कौन सा गेम खेल रहा है, या क्या देख रहा है। बच्चों को मोबाइल की लत से छुड़ाने की जिम्मेदारी अभिभावकों की है, शिक्षकों की नहीं।

रामनवमी पर पीएम मोदी रामनाथस्वामी मंदिर में पूजन करेंगे फिर पंबन ब्रिज का उद्घाटन

नई दिल्ली। रामेश्वरम स्थित रामनाथस्वामी मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 अप्रैल को रामनवमी पर पूजन करेंगे। इस दौरान वह नए पंबन ब्रिज का भी उद्घाटन करेंगे। इससे तमिलनाडु में रेल संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। नया पंबन ब्रिज ब्रिटिश काल के पुराने पंबन ब्रिज का स्थान लेगा जो एक सदी से अधिक समय तक संचालित रहा। आधुनिक डिजाइन से युक्त इस नए पुल का 72.5 मीटर लंबा हिस्सा जहाजों के आवागमन के लिए ऊपर उठाया जा सकेगा, जिससे समुद्री नौवहन में सुगमता आएगी। इस परियोजना की आधारशिला प्रधानमंत्री मोदी ने नवंबर 2019 में रखी थी, जिसके बाद फरवरी 2020 में निर्माण कार्य शुरू हुआ। कोविड-19 महामारी के कारण इसमें देरी हुई, लेकिन अब इसे पूरा कर चालू करने की तैयारी है।

नए युग की शुरुआत: वैष्णव

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नवंबर 2024 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इसे भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे समुद्री पुल करार दिया था।वैष्णव ने कहा था, 1914 में निर्मित पुराने पंबन रेल पुल ने 105 वर्षों तक मुख्य भूमि को रामेश्वरम से जोड़ा। दिसंबर 2022 में जंग लगने के कारण इसे बंद कर दिया गया, जिसने आधुनिक न्यू पंबन ब्रिज के लिए मार्ग प्रशस्त किया, जो कनेक्टिविटी के एक नए युग की शुरुआत करेगा! कुल 2.5 किलोमीटर से अधिक लंबे इस पुल का निर्माण रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) ने 535 करोड़ रुपये की लागत से किया है।

अयोध्या में होगा अनुष्ठान

अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने भी 6 अप्रैल को रामनवमी मनाने की घोषणा की है। ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने बताया कि 6 अप्रैल को सुबह 9:30 से 10:30 बजे तक भगवान का अनुष्ठान स्नान होगा, जिसके बाद मंदिर के दरवाजे 11:40 बजे तक बंद रहेंगे। सुबह 11:45 बजे गर्भगृह के दरवाजे मूर्ति के श्रृंगार के लिए खुले रहेंगे, और प्रसाद चढ़ाने के बाद फिर बंद कर दिए जाएंगे।चंपत राय ने कहा कि दोपहर में भगवान राम के जन्म के अवसर पर आरती और सूर्य तिलक होगा, जिसमें सूर्य की किरणें मूर्ति के माथे को रौशन करेंगी। लगभग तीन से साढ़े तीन मिनट तक सूर्य की रोशनी को दर्पण और लेंस के संयोजन से मूर्ति के माथे पर केंद्रित किया जाएगा।

साझा इतिहास और बलिदान: भारत-बांग्लादेश संबंधों को मजबूत करने पर पीएम मोदी का जोर

नई दिल्ली। बांग्लादेश के राष्ट्रीय दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस को पत्र लिखकर शुभकामनाएं दीं और दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग और संवेदनशीलता के महत्व पर बल दिया। यह पत्र ऐसे समय में आया है जब दोनों नेता आगामी 3-4 अप्रैल को बैंकॉक में होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में पहली बार आमने-सामने मुलाकात करने वाले हैं।

यात्री के प्राइवेट पार्ट में मिला सोना

- एक्स-रे में दिखा 70 लाख का गोल्ड पेस्ट, मास्टरमाइंड को भी दबोचा

अजय फगोड़िया, तस्करी का मास्टर माइंड

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बार फिर गोल्ड तस्करी का मामला सामने आया है। करीब 70 लाख के गोल्ड पेस्ट को आरोपी यात्री के प्राइवेट पार्ट से रिकवर किया गया है।

डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की टीम ने गुरुवार (27 मार्च) सुबह आरोपी यात्री के साथ गोल्ड स्मगलिंग के मास्टरमाइंड को भी दबोचा है। सूत्रों के अनुसार एजेंसी के हाथ लगे मास्टरमाइंड तस्कर अजय फगोड़िया से पूछताछ में कई बड़े खुलासे होने की संभावना है। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बीते कुछ सालों में गोल्ड व ड्रग्स स्मगलरों का बड़ा पॉइंट बन गया है।

एयर अरेबिया की फ्लाइट पर थी नजर- डीआरआई के अधिकारियों के पास जानकारी थी कि एयर अरेबिया से आ रहा एक पैसेंजर गोल्ड की स्मगलिंग कर रहा है। सऊदी अरब की राजधानी रियाद से जयपुर पहुंची फ्लाइट के गेट जैसे ही खुले एजेंसी की टीम अलर्ट हो गई। डीबोर्डिंग शुरू होते ही एजेंसी के लोगों ने पहले से मिली सूचना के आधार पर आरोपी पैसेंजर की तलाश शुरू कर दी।

पहली जांच में आरोपी के पास कुछ नहीं मिला- एजेंसी के सूत्रों के अनुसार शक के आधार पर आरोपी पैसेंजर को कस्टम जांच के लिए रुकवाया गया, लेकिन उसके पास कुछ नहीं मिला।

जम्मू के कठुआ में सेना-आतंकियों के बीच एनकाउंटर

- डीएसपी समेत 4 पुलिसकर्मी घायल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में गुरुवार की सुबह से सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी थी। डीएसपी धीरज सिंह समेत चार पुलिसकर्मियों को गोली लगी है, जिन्हें नजदीकी अस्पताल ले

जाया गया। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और ऑपरेशन जारी थी। जुठाना इलाके में 4-5 आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया, इस दौरान फायरिंग शुरू हो गई। इससे पहले सोमवार को कठुआ के हीरानगर सेक्टर में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। तब आतंकियों ने एक बच्ची और उसके माता-पिता को पकड़ लिया था।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस की झड़प

लाठियां बरसाईं, वाटर कैनन छोड़े; पार्टी के सभी विधायकों के निलंबन पर प्रदर्शन

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में कांग्रेस ने अपने सभी 14 विधायकों के निलंबन के विरोध में गुरुवार को प्रदर्शन किया। विधानसभा घेरने के लिए कार्यकर्ता विधानसभा की ओर बढ़ रहे थे। इस दौरान पुलिस से उनकी झड़प हो गई। दरअसल 25 मार्च को कांग्रेस के 12 विधायक निलंबित कर दिए गए थे। इसके बावजूद विधायक प्रदर्शन करते रहे और पूरी रात सदन में बिताई। विधानसभा के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन करते रहे।अगले दिन यानी 26 मार्च को कांग्रेस कार्यकर्ता और निलंबित विधायक विधानसभा के बाहर प्रदर्शन करते रहे। वे विधानसभा की बढ़े तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद जमकर धक्का-मुक्की हुई। सदन के भीतर कांग्रेस के बचे हुए दो विधायकों तारा प्रसाद बाहिनीपति और रमेश जेना ने इस मुद्दे पर प्रदर्शन किया। दोनों सदन की वेल में आकर प्रदर्शन कर रहे थे इसलिए उन्हें भी निलंबित कर दिया गया था।

भाजपा नेता की हत्या के विरोध में रांची बंद रहा

रांची। भाजपा नेता अनिल टाईगर की हत्या के विरोध में आहूत रांची बंद का असर गुरुवार सुबह से ही दिखने लगा। विभिन्न चैक-चैराहों पर भाजपा नेता और कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर दुकानों को बंद कराने में जुटे रहे। आजसू पार्टी ने भी इस बंद को समर्थन दिया और उसके कार्यकर्ता भी सड़कों पर प्रदर्शन करते रहे हैं। रातू रोड रामविलास पेट्रोल पंप के समीप सड़क पर टायर जला कर विरोध प्रदर्शन किया गया। इससे आवागमन बाधित हुआ । कांके, अरगोड़ा, चुटिया, किशोरगंज, टाटीसिलवे, नामकुम सहित अन्य जगह पर बंद समर्थक सड़क पर उतरकर बंद करवा रहे थे। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी बंद के समर्थन में सड़क पर उतरे । रातू रोड इलाके में सड़क पर बैठकर प्रदर्शन कर रहे थे। सुबह से ही भाजपा के कार्यकर्ताओं ने रांची-सिल्ली रोड को जाम कर दिया था। गोंदलीपोखर के पास सड़क पर चल रहे वाहनों को रोक कर रोड को जाम कर दिया गया था। भाजपा समर्थकों ने रिंग रोड में काठीटांड़ चैक पर सड़क जाम कर दिया । पुलिस सड़क जाम करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को समझाने की कोशिश कर रही । रांची बंद को देखते हुए प्रशासन अलर्ट रही। राजधानी समेत जिले भर में सड़कों पर जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती कर दी गई थी। पुलिस ने भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, भैरव सिंह सहित लगभग 50 लोगों को हिरासत में लिया है। उल्लेखीय है कि 26 मार्च को दो अपराधियों ने कांके में भाजपा नेता अनिल टाईगर की हत्या कर दी थी। पुलिस ने हत्या में शामिल एक अपराधी रोहित वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में शामिल दूसरे अपराधी अमन सिंह की तलाश की जा रही है।

शिवपाल बोले-

गुंडई बर्दाश्त नहीं करेंगे

- पल्लवी पटेल सड़क पर उतरीं, यूपी में सांसद के घर हमले के विरोध में सपा का प्रदर्शन

आगरा/ लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव और राम गोपाल यादव गुरुवार को आगरा में सांसद रामजीलाल सुमन के आवास पहुंचे। शिवपाल ने कहा, जो यहां गुंडई शासन-प्रशासन के इशारे पर हुई है। हम लोग झुकेंगे नहीं और हम इनकी गुंडई को बर्दाश्त भी नहीं करेंगे।

सांसद सुमन एक दलित और बड़े नेता हैं। उनके आवास पर हमला करने वाले भाजपा कार्यकर्ता थे, जो तोड़फोड़ करने के बाद चले गए। लेकिन, प्रशासन खड़ा देखता रहा। सभी को गिरफ्तार कर कार्रवाई करना चाहिए था, लेकिन छोड़ दिया गया।

वहीं, रामगोपाल यादव ने कहा- ये हमला पूर्व नियोजित था। हमलावर बुलडोजर, लाठी-डंडे और तलवार लेकर आ रहे थे। उन्हें रोका नहीं गया। शासन से पूरा सहयोग मिला।

सलमान खान बोले-

भगवान-अल्लाह ने जितनी उम्र लिखी, उतना जिएंगे

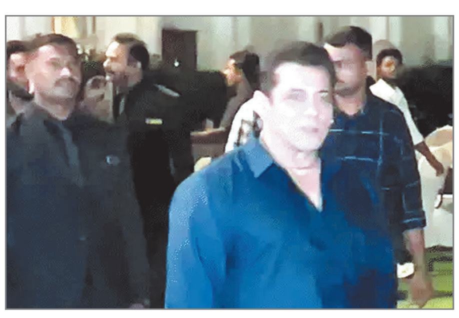

मुंबई (एजेंसी)। सलमान खान ने बुधवार को फिल्म सिकंदर के लिए मुंबई में प्रेस मीट रखी थी। फिल्म 30 मार्च को रिलीज होगी। सलमान खान के घर लॉरेंस गैंग के हमले के करीब एक साल बाद एक्टर ने चुप्पी तोड़ी है। सलमान ने कहा कि भगवान-अल्लाह ने जितनी उम्र लिखी होगी, उतनी जरूर जिएंगे। यह बात सलमान ने बुधवार रात फिल्म सिकंदर की प्रेस मीट में कही। सिक्योरिटी बढ़ाई जाने पर सलमान ने कहा, 'कभी-कभी इतने लोगों को साथ लेकर चलने से दिक्कत हो जाती है।'

जस्टिस वर्मा के खिलाफ दिल्ली पहुंचे इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील

प्रयागराज (एजेंसी)। कैश कांड मामले में फंसे दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर किए जाने पर वकील विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील तीसरे दिन गुरुवार को भी प्रदर्शन किया। वकीलों ने दिल्ली में कानून मंत्री कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात की। उनसे जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर रोकने की मांग की।

राजस्थान की गर्म हवाओं से म.प्र.का पारा 40 डिग्री पार

- हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी होगी; हरियाणा समेत 10 राज्यों में तूफान की आशंका

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान समेत पश्चिम राज्यों से आ रही गर्म हवाओं ने मध्य प्रदेश का पारा बढ़ा दिया है। बुधवार को प्रदेश के कई हिस्सों में गर्मी का असर देखने को मिला। 6 जिलों में पारा 40 डिग्री पार पहुंच गया। राजधानी भोपाल में इस सीजन में पहली बार तापमान 38.8 डिग्री पर पहुंचा, जो सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक है।

इधर राजस्थान में भी बुधवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। हालांकि, एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ के चलते सीमावर्ती जिलों में तेज आंधी के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। जिससे तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखने को मिल सकती है।

मौसम विभाग ने आज गुरुवार को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश-बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। वहीं, दिल्ली-हरियाणा समेत 10 राज्यों में तूफान की आशंका है। इन राज्यों में 30-40 चरूकी रफ्तार से हवा चल सकती है। हल्की बारिश भी हो सकती है। वहीं, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में गर्मी रहेगी।

- **इस साल 10-12 दिन हीटवेव का अलर्ट, हरियाणा-पंजाब पर असर-** मौसम विभाग के मुताबिक, इस साल उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों में हीटवेव के दिनों की संख्या लगभग दोगुनी रहेगी। इन राज्यों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के नाम हैं। आमतौर पर यहां हीटवेव 5-6 दिन चलती है, इस बार 10-12 दिन चल सकती है। मौसम वैज्ञानिक सोमा सेन रॉय ने कहा- पश्चिमी भारत और मध्य भारत में सामान्य से थोड़े अधिक हीटवेव की स्थिति रहने की आशंका हैं। साल 2024 में देश में सबसे ज्यादा गर्म साल दर्ज किया गया था।28 फरवरी को मौसम विभाग ने मार्च से मई 2025 के लिए हीट आउटलुक जारी किया था। इसमें चेतावनी दी गई थी कि देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा।

- देश के हीटवेव प्रोन स्टेट में 13 राज्य शामिल

आमतौर पर देश के 13 प्रदेशों को हीटवेव प्रोन स्टेट माना जाता है। इस लिस्ट में राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ , दिल्ली, पश्चिम मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र में विदर्भ, गंगा के तटवर्ती पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्से, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं। आमतौर पर कोर हीटवेव जोन यानी सीएचजेड में मार्च से जून तक भीषण गर्मी पड़ती है। कई बार जुलाई महीने में भी हीटवेव और लू चलने की आशंका रहती है। साल 2024 में अप्रैल में पश्चिम बंगाल में बीते 15 साल में और ओडिशा में बीते 9 साल में हीटवेव वाले दिनों की संख्या सबसे ज्यादा रही थी। ओडिशा में भी साल 2016 के बाद से 2024 में अप्रैल में सबसे ज्यादा 16 दिन तक हीटवेव चली थी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संघ के कर्नाटक- मंथन में नये संकल्प- नयी दिशाएं

(लेखक--ललित गर्ग)

आरएसएस ने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य पूरी मानवता को विभाजन और विनाश की प्रवृत्तियों से बचाना है और सभी जीवों के बीच शांति और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, आरएसएस ने हिंदू समाज को अपने वैश्विक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए संगठित और सामूहिक जीवन की आवश्यकता पर बल दिया है, जो 'धर्म' पर आधारित आत्मविश्वास से भरा हो। साथ ही बैठक में पारित प्रस्तावों में यह भी कहा गया कि सभी प्रकार के भेदभावों को खारिज कर, एकजुट आचरण और पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को अपनाते हुए हमें एक आदर्श समाज का निर्माण करना चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिवसीय बैठक अपने स्थापना के शताब्दी वर्ष प्रवेश के पावन एवं ऐतिहासिक अवसर पर बेंगलुरु में सफलतापूर्णक एवं ऊर्जामय माहौल में संपन्न हुई, जिसमें औरंगजेब विवाद, तीन-भाषा फॉर्मूला, परिसीमन और बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर चर्चा ने एक अपूर्व वातावरण का निर्माण किया। जिसमें दुनिया में शांति और समृद्धि लाने के तर्क पर एक सौहार्दपूर्ण और संगठित हिंदू समाज के निर्माण का आह्वान किया गया। इसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत, महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा महासचिव बीएल संतोष सहित आरएसएस से जुड़े 32 संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया। आरएसएस की स्थापना विशेष रूप से भारतीय हिन्दू समाज में राष्ट्रीयत्व भाव जागृत करने, हिन्दुओं को संगठित करने एवं हिन्दू समाज के बीच समरसता स्थापित करने के उद्देश्य से हुई और इन सौ वर्षों में न केवल इन लक्ष्यों को हासिल किया गया है बल्कि अनेक रचनात्मक एवं सृजनात्मक गतिविधियों एवं योजनाओं के साथ अपनी एक स्वतंत्र एवं अलग छवि का निर्माण किया है। इस वर्ष की वार्षिक बैठक न केवल विशेष बल्कि नवीन संकल्पों की वाहक बनी है, क्योंकि बैठक ने सकारात्मक क्रांतिकारी विचारों से न केवल राष्ट्र में सक्रिय नकारात्मक एवं अराष्ट्रीय ताकतों को सख्त संदेश दिया गया बल्कि पडौसी बांग्लादेश-पाकिस्तान-चीन आदि देशों की कुचेष्टाओं के लिये ललकारा भी गया एवं सावधान भी किया गया है। अठहत्तर वर्ष की देहरी पर खड़े होकर राष्ट्र के अतीत को देखा-परखा जाए तो ऐसा लगता है कि अब राष्ट्र का कायाकल्प हो रहा है। मूलभूत आस्थाओं एवं राष्ट्रीयता के दृढ़ीकरण के साथ देश में जो नई चेतना आई है, वह संघ जैसे शक्तिशाली संगठन का जीवंत साक्ष्य है। राष्ट्रीयता, स्व-पहचान, स्वदेशी-भावना, हिन्दू-संस्कृति के ऊर्जा के अक्षय स्रोतों की खोज में जो प्रयत्न किया जा रहा है, वह अभूतपूर्व है। जन-आकांक्षा के अनुरूप राष्ट्र को जिस युगीन परिवेश में प्रस्तुति दी जा रही है, वह असाधारण है। इन सब परिवर्तनों-परिवर्धनों एवं राष्ट्र को सशक्त करने के बावजूद संघ की सादगी का सौन्दर्य निराला है और कर्नाटक बैठक इसी सादगी के सौन्दर्य के अनूठेपन को लिये हुई थी।

दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन ने अपनी अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में सभी स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि वे पूरे समाज को सज्जन शक्ति के नेतृत्व में एकजुट कर, दुनिया के सामने एक संगठित और सामंजस्यपूर्ण भारत का आदर्श प्रस्तुत करें। इसमें बैठक में मुख्य रूप से कहा गया है कि भारत एक प्राचीन और समृद्ध संस्कृति वाला देश है और इसमें एकजुट दुनिया बनाने का अद्भुत ज्ञान एवं सक्षमता है। आरएसएस ने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य पूरी मानवता को विभाजन और विनाश की प्रवृत्तियों से बचाना है और सभी जीवों के बीच शांति और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, आरएसएस ने हिंदू समाज को अपने वैश्विक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए संगठित और सामूहिक जीवन की आवश्यकता पर बल दिया है, जो 'धर्म' पर आधारित आत्मविश्वास से भरा हो। साथ ही बैठक में पारित प्रस्तावों में यह भी कहा गया कि सभी प्रकार के भेदभावों को खारिज कर, एकजुट आचरण और पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को अपनाते हुए हमें एक आदर्श समाज का निर्माण करना चाहिए। यह समाज भौतिक समृद्धि के साथ-साथ आध्यात्मिकता से भी परिपूर्ण होगा, जो समाज की समस्याओं का समाधान करेगा और चुनौतियों को कम करेगा। इस वर्ष की बैठक का हर बोल अनमोल है, हर चरण एक मंजिल है, हर संकल्प नये भारत-सशक्त भारत की दिशा है और हर क्रिया एक सन्देश है। संघ का जीवन और दर्शन, विचार और सोच अन्तरमन को कुरेदने वाली ऐसी प्रेरणा है जो जागृत अवस्था में सोने वाले लोगों का झकझोर देती है।

इस बैठक की खास बात यह रही है कि इसमें संघ की तरफ से भाजपा के बारे में सीधे सवालों से दूरी बनाए रखी गयी। हालांकि, परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिण के राज्यों में सीटें कम नहीं होने को लेकर भाजपा को संदेश भी दे दिया। परिसीमन को लेकर संघ ने साफ कहा कि दक्षिणी राज्यों का लोकसभा में अनुपात वही रहेगा। इसके साथ ही संघ ने तीन-भाषा फार्मूले पर संतुलित रुख बनाए रखा गया। ऐसे समय में जब भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार त्रिभाषा फार्मूले को लेकर असमंजस में हैं, आरएसएस ने इस विवाद को दरकिनार करते हुए मातृभाषा, व्यक्ति के निवास स्थान की क्षेत्रीय भाषा तथा करियर की भाषा, जो अंग्रेजी या कोई अन्य भाषा हो सकती है, के उपयोग की वकालत की है। संघ ने महाराष्ट्र में मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर चल रहे विवाद को लेकर मुगल शासक की तीव्र एवं तीखी आलोचना की। खास बात यह देखने को मिली कि संघ की तरफ से औरंगजेब की आलोचना के साथ ही उसके भाई दारा शिकोह का जश्न भी मनाया, क्योंकि दारा शिकोह सामाजिक सद्भाव में विश्वास करने वाला व्यक्ति था। दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भारत के मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों को आदर्श बनाया गया था। औरंगजेब 'भारत के लोकाचार' के खिलाफ था और अगर वैसी ही 'आक्रमणकारी मानसिकता' अभी भी मौजूद है तो यह देश के लिए खतरा है। जो इस भूमि की सांस्कृतिक विरासत को नष्ट करने की कुचेष्टा भी है। निश्चित ही इस तरह कोई विकृत संस्करण या नैरेटिव प्रस्तुत करना चाहता है, तो उसका मुकाबला किया ही जाना चाहिए।

कर्नाटक बैठक की टंकार में संघ ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। 'बांग्लादेश के हिन्दू समाज के साथ एकजुटता से खड़े होने का आह्वान' शीर्षक वाले एक प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय ताकतों और 'अमेरिका में डीप स्टेट' के प्रयासों का उल्लेख किया गया। संघ ने स्पष्ट किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं की जिम्मेदारी भारत की है और 'हम इस कर्तव्य से बच नहीं सकते।' निश्चित ही धार्मिक संस्थानों पर व्यवस्थित हमलों, क्रूर हत्याओं, जबरन धर्मांतरण और हिन्दुओं की संपत्तियों को नष्ट करने के चक्र ने बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। इसलिये संघ द्वारा धार्मिक असहिष्णुता और मानवाधिकारों के उल्लंघन के इन कृत्यों की कड़ी निंदा की गई है और वैश्विक समुदाय से निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। इस बैठक ने हिन्दुओं को आश्वस्त किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के भविष्य में कोई मुश्किल स्थिति आती है, तो हम पीछे नहीं हट सकते। अगर ऐसी स्थिति आती है, तो हम उसका समाधान करेंगे। भाजपा के नये अध्यक्ष के चयन को लेकर भी संघ ने स्पष्ट किया कि भाजपा के नए अध्यक्ष के चयन को लेकर उसका पार्टी के साथ कोई मतभेद नहीं है। संघ ने कहा कि यह निर्णय पूरी तरह से भाजपा पर निर्भर है। भाजपा की प्रक्रिया चल रही है, सदस्यता पूरी हो चुकी है और विभिन्न स्तरों पर समितियों का गठन हो चुका है। आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष का चुनाव होगा। इससे पहले चर्चा चल थी कि भाजपा और आरएसएस किसी उपयुक्त उम्मीदवार पर सहमत नहीं हो पाए हैं, जिससे दोनों संगठनों के बीच टकराव की अटकलें लगाई जा रही हैं।

कर्नाटक बैठक से एक बार फिर पुरजोर तरीके से उजागर हुआ कि संघ हिन्दू सनातन संस्कृति को भारत के जन-जन के मानस में प्रवाहित करने का सफल एवं सार्थक कार्य करने को प्रतिबद्ध है। ताकि प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रीयता की भावना जागृत हो एवं उनके लिये भारत प्रथम प्राथमिकता बन सके। यह कार्य संघ अपने स्वयंसेवकों द्वारा समाज के बीच जाकर करने का प्रयास करता है और यह कार्य आज पूरे विश्व में शांति एवं समरसतापूर्ण जीवन स्थापित करने के लिये एक जरूरी आवश्यकता है। पिछले आठ दशकों में लगातार हिन्दू-संस्कृति को कमजोर करने की राजनीतिक चालों को भी संघ ने समय-समय पर आड़े हाथ लिया है। दरअसल हिन्दू धर्म नहीं, विचार है, संस्कृति है। हिन्दू राष्ट्र होने का अर्थ धर्म से न होकर हिन्दू संस्कृति के सर्वग्राही भाव से है।

संपादकीय

न्याय की संवेदनशीलता

विगत 17 मार्च को आया इलाहाबाद हाईकोर्ट का जो फैसला पिछले दिनों पूरे देश में सवालों के घेरे में था, सुप्रीम कोर्ट ने उस पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को संबल दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को लेकर महिला संगठनों व बौद्धिक वर्गों में तल्ख प्रतिक्रिया देखी जा रही थी। यहां तक कि महिला संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दर्शाता है। जिसके चलते इस फैसले पर रोक लगाना आवश्यक हो जाता है। बेंच ने माना कि फैसला लिखने में संवेदनशीलता की कमी दृष्टिगोचर होती है। कोर्ट का मानना था कि जब फैसला चार माह तक सुरक्षित रखने के बाद सुनाया गया तो यह नहीं कहा जा सकता कि इस पर गंभीर मंथन नहीं हुआ। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। उल्लेखनीय है कि सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले की निंदा की। दरअसल, विवाद इस बात को लेकर हुआ कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि पीड़िता किशोरी के स्तनों को छूना व पायजामे की डोरी तोड़ना बलात्कार या बलात्कार की कोशिश नहीं माना जा सकता। उल्लेखनीय है कि यह मामला उत्तर प्रदेश के कासगंज जनपद के पटियाली थाना क्षेत्र में एक किशोरी से जुड़ा था, जिसके बाबत जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने यह विवादित फैसला दिया था। इस एकल पीठ का कहना था कि मामले में तथ्यों व आरोपों के आधार पर तय करना संभव नहीं है कि बलात्कार का प्रयास हुआ था। जिसके लिये अभियोजन पक्ष को सिद्ध करना था कि अभियुक्तों का यह कदम अपराध करने की तैयारी के लिये था। दरअसल, इसी के मद्देनजर देश में फैसले के खिलाफ तल्ख प्रतिक्रिया देखी गई। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट की एकल पीठ का कहना था कि दुराचार करने की कोशिश और अपराध की तैयारी के बीच के अंतर को सही ढंग से समझना चाहिए। हाईकोर्ट ने निचली अदालत को आईपीसी व पॉक्सो एक्ट की हल्की धाराओं में मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी। उल्लेखनीय है कि यह घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। जिसमें तीन युवकों ने लड़की से बदतमीजी की थी और उसके प्राइवेट पॉर्टस को छुआ तथा पुल के नीचे घसीटकर उसके पायजामे की डोरी तोड़ थी। जिसे पास से गुजरने वाले ट्रैक्टर चालकों ने बचाया था। स्थानीय पुलिस से जब किशोरी के परिजनों को मदद नहीं मिली तब उन्होंने न्याय के लिये कासगंज की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसी मामले में आए इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ लोगों में नाराजगी देखी गई। माना गया कि इसका समाज में गलत संदेश जाएगा और महिलाओं की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। इसके चलते ही एक महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

संसार में मृत्य अटल सत्य है- मानवीय मृत्यु का अनसुल्झा रहस्य बरकार

लेखक -किशन सनमुखदास भावनानीं

कुदरत द्वारा बनाई इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में कुदरत की अनमोल कलाकृति मानवीय जीव के रूप में सृजित हुई और जिस मानवीय कुनबे में शिशु का जन्म होता है वहां खुशियों की बहार छा जाती है ऐसा सदियों से हजारों वर्षों से होता आया है और वर्तमान काल में भी हो रहा है। इस संसार में मृत्य अटल सत्य है जिसने भी जन्म लिया है उसकी मृत्यु निश्चित है। लेकिन लोगों के मन हमेशा एक सवाल उठता है कि आखिर मौत के बाद क्या होता है। अगर आत्म होती है, तो कहां जाती है। मौत के बाद मनुष्य का शरीर शिथिल हो जाता है। इस पर पहले कई शोध हुए हैं जो अभी भी जारी है। प्रकृति के कई अनसुलझे रहस्य हैं जिसे सुलझाना अभी भी बाकी है। उन्हीं में से एक है आत्मा और मौत। जब किसी मानवीय जीव की मृत्यु हो जाती है तो आदि अनादि काल से यह भी सच है कि उसी कुनबे में अति संवेदनशील दुखों का पल छा जाते हैं और उनका कुनबा यह सोचने पर मज़बूर हो जाता है कि आखिर ऐसा क्या इस शरीर में से निकल गया जो यह शरीर निर्जीव हो गया जो आज के वर्तमान परिपेक्ष में भी एक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है! जिसके विज्ञान, विशेषज्ञों, जानकारों के अलग अलग तर्क दिए गए हैं परंतु हमारे बड़े बुजुर्गों और आध्यात्मिकता में यह ईश्वर अल्लाह की देन है और कहा गया है कि हम मानवीय जीव उसके हाथ के बने खिलौने हैं जिनका वह जीवन फिक्स कर देता है और समय आने पर उसे तोड़ देता है याने मृत्यु !आदि अनादि कहां से बुजुर्गों आध्यात्मिकता व कहावतों द्वारा यह कहा जाता है कि मनुष्य जब जन्म लेता है तो उसके मस्तक पर उसके पूरे जीवन की भविष्य रेखा लिखी रहती है और वह रेखा समाप्त होते ही उसकी मृत्यु हो जाती है,परंतु आधुनिक प्रौद्योगिकी युग में मनुष्य या कोई भी जीव मृत देह में कैसे बदल जाता है विज्ञान इस सवाल से निरंतर जूझ रहा है।

साथियों बात अगर हम मृत्यु की करें तो यह नाम सुनते ही दिल दहल जाता है, कांप जाता है। जिस तरह हमने कोरोना महामारी कॉल की पीक़ स्थिति में मृत्यु का तांडव देखे, तो दिल पसीज़ गया था। हमनें फिल्म उद्योग की पुरानी फिल्म पुष्पांजलि का दर्द भरा गीत, दुनिया से जाने वाले, जाने चले जाते हैं कहां, कैसे ढूंढे कोई उनको नहीं होते नामोनिशान और चिट्ठी न कोई संदेश, ना जाने कौन सा देश, जहां तुम चले गए सुनें होंगे जो दुखों के पलों में अक्सर याद आते हैं। हालांकि इन गीतों से भी वही प्रश्न गूंज रहा है कि आखिर मानवीय शरीर में से ऐसा क्या निकल जाता है और कहां चला जाता है जो शरीर निर्जीव हो जाता है!उसका रहस्य आज भी अनसुलझा है!और मेरा मानना है कि शायद कभी सुल्झेगा भी नहीं चाहे कितना भी प्रौद्योगिकी विज्ञान का उपयोग किया जाए?

साथियों बात अगर हम मृत्यु की करें तो, मृत्यु शब्द नही बल्कि, मीडिया में जानकारी के अनुसार, मृत्यु एक परम पवित्र मंगलकारी देवी है। सामान्य भाषा मे किसी भी जीवात्मा अर्थात प्राणी के जीवन के अन्त को मृत्यु कहते हैं। मृत्यु सामान्यतः वृद्धावस्था, लालच, मोह,रोग कुपोषण के परिणामस्वरूप होती है।मुख्यतया मृत्यु के 101 स्वरूप होते है, लेकिन मुख्य 8 प्रकार की होती है। जिसमे बुढ़ापा, रोग, दुर्घटना, अकस्मती आघात, शोक,चिंता, और लालच मृत्यु के मुख्य रूप है।

साथियों बात अगर हम विज्ञान विशेषज्ञों, जानकारों की करें तो उनका अलग-अलग तर्क है, हालांकि विज्ञान के अनुसार, मृत्यु का अर्थ है जीवित प्राणी के शरीर की सभी जैविक प्रक्रियाओं का समाप्त हो जाना। जैविक प्रक्रिया को दिल के धड़कने, मस्तिष्क के निर्णय लेने की क्षमता, किडनी और लीवर जैसे अंगों के सुचारु ढंग से काम करने में समझा जा सकता है। ये प्रक्रियाएं समाप्त होते ही हमारी मृत्यु हो जाती है। विशेषज्ञों की जानकारी के अनुसार,शरीर की जैविक प्रकियाएं कई कारणों से रुक सकती हैं।

उम्र का ढल जाना यानी बूढ़ा हो जाना, किसी दूसरे व्यक्ति का प्राणघातक हमला, कुपोषण, बीमारी, आत्महत्या, भूख, प्यास, दुर्घटना या आघात आदि से ये प्र किया रुक सकती है। मृत्यु के बाद शरीर तेजी से विघटित होता है, और कई तत्वों में टूट जाता है। भारतीय दर्शन में ये संकल्पना है ही कि शरीर का निर्माण पंचतत्वों से हुआ है और अंततः उन्हीं तत्वों में विलीन हो जाता है।

साथियों लेकिन जीवन और मृत्यु के बीच सटीक सीमा रेखा क्या है? किस क्षण में जीवन मृत्यु में बदल जाता है? शरीर का वह कौन अंतिम अंग या कण है, जिसके रुकते ही जीवन रुक जाता है और मनुष्य या कोई भी जीव मृत देह में बदल जाता है, विज्ञान इस सवाल से निरंतर जूझ रहा है?बहरहाल मनुष्य का शरीर एक अद्भुत मशीन है। जिसका हर पुर्जा एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। लेकिन यह सवाल अभी अनुत्तरित है कि वह कौन सा तत्व है जिसे जीवन का जनक माना जाए या जीवन के न होने की वजह माना जाए!

साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों और आध्यात्मिकता के दृष्टिकोण की करें तो उनके अनुसार यह जन्म मृत्यु ईश्वर अल्लाह की देन है उनके अनुसार, आध्यात्मिक दृष्टिकोण से आत्मा शरीर में वास करती हैं। मगर मृत्यु के बाद ये शरीर को त्याग देती है और दूसरे शरीर को धारण कर लेती है।

आत्मा ईश्वर का ही एक स्वरूप है। मगर इसे कोई देख नहीं सकता है। आत्मा को नश्वर माना जाता है। आध्यात्मिक दृष्टि से इसका न कोई आकारा होता है और न ही स्वरूप, मृत्यु एक जीव को बनाए रखने वाले सभी जैविक कार्यों की अपरिवर्तनीय समाप्ति है।

साथियों बात अगर हम मृत्यु के बाद दोबारा जीवन की करें तो मीडिया के अनुसार, मृत्यु के बाद क्या होता है, क्या दोबारा जीवन मिलता है, या फिर नहीं।इस बात पर चर्चा फिर से शुरू हो गई है। मीडिया के अनुसार एक प्रदेश में हाल ही में तीन ऐसी घटनाएं हुईं, जिनमें मृत्यु के बाद जीवन मिला।

(चिंतन-मनन)

हनुमान से सीखें संस्कार

दूसरे का मान रखते हुए हम सम्मान अर्जित कर लें, इसमें गहरी समझ की जरूरत है। होता यह है कि जब हम अपनी सफलता, सम्मान या प्रतिष्ठा की यात्रा पर होते हैं, उस समय हम इसके बीच में आने वाले हर व्यक्ति को अपना शत्रु ही मानते हैं। महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मनुष्य सारे संबंध दांव पर लगा देता है। आज के युग में महत्वाकांक्षी व्यक्ति का न कोई मित्र होता है, न कोई शत्रु। उसे तो सिर्फ अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति करनी होती है। हर संबंध उसके लिए शस्त्र की तरह हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो दूसरे की भावनाओं, रिश्ते की गरिमा और सबके मान-सम्मान को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा पर चलते हैं। हनुमानजी उनमें से एक हैं। सुंदरकांड में एक प्रसंग है। हनुमानजी और मेघनाद का युद्ध हो रहा था। मेघनाद बार-बार हनुमानजी पर प्रहार कर रहा था, लेकिन उसका नियंत्रण बन नहीं रहा था। तब उसने हनुमानजी पर ब्रह्मास्त्र का प्रहार किया। हनुमानजी को भी वरदान था कि वह किसी अस्त्र-शस्त्र से पराजित नहीं होंगे। उनका नाम बजरंगी इसीलिए है कि वे वज्रांग हैं। जिसे कह सकते हैं स्टील बॉडी।

जैसे ही शस्त्र चला, हनुमानजी ने विचार किया और तुलसीदासजी ने लिखा -

ब्रह्मास्त्र तेहि सांधा कपि मन कीन्ह बिचार।

जौं न ब्रह्मासर मानउं महिमा मिटइ अपार।।

अंत में उसने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, तब हनुमानजी ने मन में विचार किया कि यदि ब्रह्मास्त्र को नहीं मानता हूं तो उसकी अपार महिमा मिट जाएगी। यहां हनुमानजी ने अपने पराप्रम का ध्यान न रखते हुए, ब्रह्मजी के मान को टिकाया। दूसरों का सम्मान बचाते हुए अपना कार्य करना कोई हनुमानजी से सीखें।

विचार मंथन

खाकी पर अपराधियों का रौब, जगह- जगह पिट रही है पुलिस

(लेखक- सनत जैन)

सरकार को सोचना होगा, पुलिस बल का प्रभाव आम जनता के बीच में कम क्यों होता जा रहा है। आम जनता पुलिस के ऊपर हमले क्यों कर रही है। जिस पुलिस के डर और भय से लोग स्वयं नियंत्रित हो जाते थे, अब वही लोग पुलिस के ऊपर हमला करने से भी नहीं डरते हैं। हाल ही में दर्जनों स्थानों पर पुलिस के ऊपर हमले हुए हैं। वर्दी के पीछे पुलिस कर्मियों की वेदना उनके लिए असहनीय होती जा रही है। वह अपनी वेदना शारीरिक रूप से व्यक्ति भी नहीं कर सकते हैं। पुलिस के ऊपर जिस तरह से राजनीतिक दबाव बढ़ता जा रहा है। राजनीतिक दलों एवं धार्मिक संगठनों के नेता एवं भीड़ जरा-जरा सी बात पर हिंसक आंदोलन खड़े कर देते हैं। आक्रामक तरीके से सड़क एवं धार्मिक स्थलों पर प्रदर्शन करते हैं। विशेष रूप से दो समुदायों के बीच जिस तरह से आरोप प्रत्यारोप का दौर चल पड़ा है। उसके कारण सारे देश में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब होती चली जा रही है। पुलिस बल का रौब भी खत्म होता चला जा रहा है। रमजान का महीना चल रहा है। मुस्लिम समुदाय के रोजा और नमाज को लेकर एक विशेष वर्ग द्वारा लगातार एक धार्मिक समुदाय पर दबाव बनाया जा रहा है। समुदाय विशेष के धार्मिक क्रियाकलापों के संदर्भ में जिस तरह की बातें हो रही हैं। वह कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। रमजान ओर रामनवमी पर्व एक साथ होने के कारण कुछ संगठनों का उग्र रवैया आग में घी डालने का काम कर रहा है। जिसके कारण कई राज्यों की कानून व्यवस्था की स्थिति दिनों-दिन बिगड़ती चली जा रही है। 300 साल के इतिहास में नागपुर में पहली बार दंगा हुआ। इसका कारण भी पूर्णतः एक वर्ग विशेष के खिलाफ आंदोलन और प्रदर्शन के बाद जिस तरह की स्थिति निर्मित हुई, उसके कारण दंगा हो गया। कर्फ्यू लगाना पड़ा। पुलिस को कानून व्यवस्था नियंत्रित करने के लिए स्वतंत्र रूप से काम करने का मौका नहीं मिलता है। सरकार के दबाव मे काम करना पड़ता है। दो वर्गों के बीच के विवाद में एक वर्ग के खिलाफ मुकदमे दर्ज कर कार्रवाई करनी पड़ती है। एक वर्ग विशेष के मकानों को बुलडोजर से पुलिस की उपस्थिति में तोड़ दिया जाता है। राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण दूसरे पक्ष पर कोई कार्यवाही नहीं होती है। जिसके कारण पुलिस के खिलाफ एक गुस्सा पनपता है।

मुंबई में एक कॉमेडियन द्वारा एक कार्यक्रम में एक राजनेता के ऊपर व्यंग्य किया गया। उसके बाद एक वर्ग विशेष के लोगों ने कार्यक्रम स्थल पर तोड़फोड़ कर दी। राज्य सरकार और जिला प्रशासन कॉमेडियन के खिलाफ खड़ी हो गई। जिसके कारण मुंबई जैसे स्थान में देखते ही देखते कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई। कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस के ऊपर कब कहां से मुसीबत आ जाएगी। पुलिस को इसका अंदाजा भी नहीं होता है। पुलिस का खौफ और रोब खत्म होता जा रहा है। पुलिस निष्पक्ष तरीके से कार्यवाही नहीं कर पाती है। एक पक्ष प्रताड़ित होता है, दूसरा पक्ष खुलेआम आक्रामक होकर घूमता रहता है। जिसके कारण पुलिस की स्थिति आम जनता के बीच वह नहीं रही, जो कुछ वर्षों पहले तक देखने को मिलती थी। राजनीति में जिस तरह से अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। राजनीति में अपराधियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। धार्मिक उन्माद भी अपराधों को बढ़ा रहा है। पुलिस चाहकर भी धार्मिक उन्मादियों पर कार्रवाई नहीं कर पाती है। जिसके कारण आम जनता के बीच में पुलिस के खिलाफ विद्रोह पनपने लगा है, जिसका खामियाजा पुलिस कर्मियों को भुगतना पड़ रहा है। अपराधियों को राजनीतिक एवं धार्मिक संरक्षण मिलने के कारण पुलिस की स्थिति दयनीय होती चली जा रही है। पुलिसकर्मियों के ऊपर लगातार हमले बढ़ रहे हैं। जगह-जगह पर सामुदायिक भीड़ तंत्र कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन रहा है। पुलिस स्वयं अपने कामकाज की जिम्मेदारी पूर्ण नहीं कर पा रही है। पुलिस बल अधिकांश मामले में भीड़ को नियंत्रित करने और नेताओं की सुरक्षा में लगा रहता है। जिसके कारण अपराधों की जांच और अपराधियों को पकड़ पाना पुलिस के लिए मुश्किल होता चला जा रहा है। पुलिस एक जांच एजेंसी है। पुलिस की उपस्थिति में लोगों के मन मे सुरक्षा का भाव होता है। लेकिन यह भाव अब धीरे-धीरे खत्म होता चला जा रहा है। पुलिस की मौजूदगी भी लोगों को सुरक्षित महसूस नहीं करा पा रही है। भीड़ के बीच में जब पुलिस ही सुरक्षित नहीं है।

किआ मोटर्स कर रही नई किआ 7-सीटर एसयूवी पर काम

नई दिल्ली। किआ मोटर्स कंपनी एक नई 7-सीटर एसयूवी पर काम कर रही है, जिसे 2025 में भारतीय बाजार में उतारा जाएगा। इस नई एसयूवी को मौजूदा किआ केरेन्स से अलग रखा जाएगा और इसे एक नया नाम भी दिया जा सकता है। टेस्टिंग के दौरान कई बार देखी गई इस एसयूवी में नया डिज़ाइन देखने को मिलेगा। इसमें एलईडी हेडलैम्प्स और टेललैम्प्स, स्टाइलिश अलॉय व्हील्स, मॉडिफाइड रूफ रेल्स और पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स दिए जाएंगे। इसके इंटीरियर को भी अधिक प्रीमियम बनाया जाएगा, जिसमें बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 360-डिग्री कैमरा, रियर पार्किंग सेंसर्स और वेंटिलेटेड सीट्स जैसी सुविधाएं मिल सकती हैं। सेफ्टी के लिए अडास जैसी अत्याधुनिक तकनीकें भी जोड़ी जा सकती हैं। इंजन ऑप्शंस की बात करें तो इसमें 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन, 1.5-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 1.5-लीटर टर्बो डीजल इंजन दिया जा सकता है। ट्रांसमिशन के लिए आईएमटी, डीसीटी और टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का विकल्प मिलेगा। माना जा रहा है कि किआ इस एसयूवी को जून 2025 में लॉन्च करेगी और इसकी कीमत मौजूदा केरेन्स से अधिक हो सकती है। एक्सयूवी 700 के मुकाबले यह कार कितनी दमदार साबित होगी, इसका जवाब लॉन्च के बाद ही मिलेगा। बता दें कि प्रीमियम 7-सीटर एसयूवी सेगमेंट में महिंद्रा एक्सयूवी 700 का दबदबा कायम है, लेकिन अब किआ मोटर्स इसे चुनौती देने की तैयारी कर रही है।

मारुति की नई 7-सीटर कारें लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। मारूति सुजुकी कंपनी एसयूवी और एमपीवी सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए नई 7-सीटर कारें लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इनमें से कुछ मॉडल्स की टेस्टिंग भी देखी गई है। मारूति ग्रांछ वितारा को भारत में शानदार रिस्पॉन्स मिला है। अब कंपनी इसका 7-सीटर वर्जन लाने की तैयारी कर रही है, जिसे 2025 के दूसरे हिस्से में लॉन्च किया जा सकता है। इसमें 1.5-लीटर एनए पेट्रोल इंजन और 1.5-लीटर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन के विकल्प मिलेंगे। स्पाई इमेज के मुताबिक, इसमें बड़ा टचस्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ और 360-डिग्री कैमरा जैसे प्रीमियम फीचर्स हो सकते हैं। इसका मुकाबला महिंद्रा एक्सयूवी 700 से होगा। मारूति एक प्रीमियम एमपीवी पर भी काम कर रही है, जिसका कोडनेम वायएमसी है। यह टोयोटा के एक मॉडल के साथ प्लेटफॉर्म और पावरट्रेन साझा करेगी। इसमें 40 केडब्ल्यूएच और 60केडब्ल्यूएच बैटरी ऑप्शन मिल सकते हैं, जिनमें बड़ी बैटरी के साथ करीब 500किमी की रेंज मिलेगी। इस प्रीमियम एमपीवी को 2026 के मध्य में लॉन्च किया जा सकता है, और यह किआ केरेन्स को टक्कर देगी। इसके अलावा, मारुति एक किफायती 7-सीटर एमपीवी वायडीबी पर भी काम कर रही है, जो ईर्टिगा और एक्सएल6 से नीचे होगी। यह जापान में बेची जाने वाली सुजुकी स्पेशिया पर आधारित होगी।

टाटा मोटर्स ने तीन नए मॉडल्स पेश किए

नई दिल्ली। ऑटो एक्सपो 2025 में स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने तीन नए मॉडल्स पेश किए, लेकिन ऑटो लवर्स खास तौर पर अविन्या का इंतजार कर रहे हैं। टाटा मोटर्स के इस लक्जरी ईवी ब्रांड के तहत हाई-एंड और अट्रैक्टिव कारें लॉन्च होने वाली थीं, लेकिन अब इसके लॉन्च में देरी हो सकती है। टाटा मोटर्स और जगुआर लेंड रोवर ने सितंबर 2024 में इलेक्ट्रीफाइड मॉडयूलर आर्कीटेक्चर प्लेटफॉर्म पर आधारित ईवीएस के निर्माण की योजना बनाई थी। लेकिन ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, जेएलआर अब टाटा के साथ संयुक्त रूप से ईवीएस का प्रोडक्शन करने की योजना में बदलाव कर सकता है। टाटा अविन्या मॉडल्स को ईएमए प्लेटफॉर्म पर विकसित करने की तैयारी थी, और कंपनी ने जनवरी के अंत तक सप्लायर्स के साथ ऑर्डर फाइनल करने की योजना बनाई थी। पहले अविन्या टैग के तहत पहला मॉडल 2025 में डेब्यू करने वाला था, और इस साल जनवरी में टाटा ने अविन्या एक्स कॉन्सेप्ट पेश कर इसे 2026 तक लॉन्च करने की घोषणा की। लेकिन अब, जेएलआर के निर्णय के कारण इस प्रोजेक्ट में देरी हो सकती है। जेएलआर भारत में टाटा के नए ईवी प्लांट में उत्पादन करने की योजना बना रहा था और लोकल सप्लायर्स से कंपोनेंट्स सोर्स करने पर विचार कर रहा था। लेकिन उचित लागत और गुणवत्ता में संतुलन न मिलने के कारण, जेएलआर ने फिलहाल अपनी योजनाएं वापस ले ली हैं। टाटा मोटर्स की ओर से अभी इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन यदि जेएलआर ने साझेदारी से पीछे हटने का फैसला किया, तो अविन्या का लॉन्च 2026 से आगे खिसक सकता है।

श्रीलंका को पछाड़ दुनिया का तीसरा चाय का सबसे बड़ा निर्यातक देश बना भारत

मुंबई।

देश में चाय उद्योग का लगातार विस्तार किया जा रहा है। मुश्किल दौर से गुजरने के बाद, यह उद्योग पटरी पर लौट आया है। साल 2024 में चाय निर्यात बढ़कर रिकॉर्ड 25.467 करोड़ किलोग्राम पर पहुंच गया, और इसके बाद भारत विश्व में इसका तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक रहा।

जलपाईगुड़ी जिले के लघु चाय उत्पादक संघ से जुड़े अधिकारी ने चाय उद्योग में भारत के बढ़ते कद की तारीफ की। उन्होंने बताया, चाय कारोबार के क्षेत्र में बीते साल 2024 में बहुत अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो इसके पहले के दो-तीन साल में देखने को नहीं मिली थी। आंकड़ों के अनुसार 2024 में भारत ने रिकॉर्ड 25.467 करोड़ किलोग्राम चाय का निर्यात किया, जो पिछले दशक में सबसे ज्यादा है। इतने अधिक निर्यात से 7,111 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, यानी औसत कीमत 280 रुपये प्रति किलोग्राम रही। वहीं, 2023 में 23.169 करोड़ किलोग्राम चाय का निर्यात हुआ था, जिसकी औसत कीमत 265.91 रुपये प्रति किलोग्राम थी। अधिकारी ने बताया, अंतर्राष्ट्रीय चाय समिति की एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलंका को पछाड़कर भारत अब वैश्विक चाय निर्यात में तीसरे स्थान पर है। भारत अब चाय निर्यात में केवल चीन और केन्या से पीछे है। उन्होंने बताया, रूस हमारे चाय का पारंपरिक साझेदार था, लेकिन भारतीय चाय के लिए विश्व में नए दरवाजे खुल गए हैं। भारत के चाय निर्यात का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा संयुक्त अरब अमीरात, रूस, अमेरिका, ब्रिटेन, ईरान, इराक, सऊदी अरब, चीन, जर्मनी और तुर्की जैसे देशों को होता है। इसमें हैरानी की बात ये हैं कि तुर्की में हर एक आदमी साल में छह किलोग्राम तक चाय पीता है।

रुपया गिरावट पर खुला

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 85 .78 पर खुला। इससे पहले बुधवार को रुपया 85.67 पर बंद हुआ था। घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख और विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा में सुधार होने से भी रुपया गत कारोबारी` दिन शुरुआती कारोबार में छह पैसे कमजोर होकर 85.78 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि रुपये को नगदी की कमी, जवाबी शुल्क लागू होने की चिंताओं और आयातकों की ओर से महीने के अंत में अमेरिकी मुद्रा की मांग के कारण नए सिरे से दबाव का सामना करना पड़ा। हालांकि, विदेशी पूंजी के प्रवाह ने निचले स्तर पर रुपये को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.71 पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद यह और गिरावट के साथ 85.78 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, ये पिछले बंद से छह पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.72 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.30 पर रहा।

एप्पल ने की वार्षिक वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस 2025 की घोषणा

क्यूपर्टिनो।

टेक्नोलॉजी की अग्रणी कंपनी एप्पल ने बुधवार को घोषणा की कि उसका वार्षिक वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी) 9 से 13 जून 2025 तक ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। कंपनी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस आयोजन के पहले दिन, 9 जून को, एप्पल पार्क में एक विशेष कार्यक्रम होगा, जिसमें डेवलपर्स और छात्र व्यक्तिगत रूप से भाग लेकर इस समारोह का आनंद उठा सकेंगे। एप्पल का यह कार्यक्रम सभी डेवलपर्स के लिए निःशुल्क रहेगा और इसमें कंपनी के नवीनतम सॉफ़्टवेयर और तकनीकी नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस आयोजन के दौरान, डेवलपर्स को विशेषज्ञों तक पहुंच प्राप्त होगी और नए टूल, फ्रेमवर्क और सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। एप्पल के वर्ल्डवाइड डेवलपर रिलेशंस की उपाध्यक्ष सुसान प्रेस्कॉट ने कहा, कि हम अपनी वैश्विक डेवलपर कम्युनिटी के साथ डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी के एक और अविश्वसनीय वर्ष को मनाने के लिए उत्साहित हैं। हम लेटेस्ट टूल और टेक्नोलॉजी को साझा करने के लिए तत्पर हैं, जो डेवलपर्स को सशक्त बनाएंगे और इनोवेशन को बढ़ावा देंगे। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों में रहेगा सहभागिता का अवसर डेवलपर्स और छात्र इस कार्यक्रम में कीनोट सेशन में भाग लेकर नवीनतम एप्पल सॉफ़्टवेयर और टेक्नोलॉजी की खोज कर सकेंगे। डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी 2025 को एप्पल के आधिकारिक यूट्यूब चैनल, डेवलपर ऐप और वेबसाइट पर भी लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। इस वर्ष के सम्मेलन में वीडियो सेशन्स और ऑनलाइन लैब्स के माध्यम से डेवलपर्स को एप्पल इंजीनियरों और डिज़ाइनरों से संवाद करने का अवसर मिलेगा।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। अमेरिका के वाहन आयात पर नए टैरिफ की घोषणा से वैश्विक बाजारों में आई कमजोरी के बाद भी घरेलू बाजार में बढ़त रही। वित्तीय स्टॉक में आये उछाल से आज बाजार ऊपर आये। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 317.93 अंक करीब 0.41 फीसदी ऊपर आकर 77,606.43 अंक पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी भी अंत में 105.10 अंक तकरीबन 0.45 फीसदी की बढ़त के के साथ्ज्ञ ही 23,591.95 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। इनमें 2.85 फीसदी तक की तेजी रही। वहीं टाटा मोटर्स, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोटक महिंद्रा बैंक और भारती एयरटेल के शेयर नीचे आये।

इसमें 5.38 फीसदी तक की गिरावट रही। 13 प्रमुख क्षेत्रो में से ग्यारह में बढ़त रही। स्मॉल-कैप और मिड-कैप में 1.2 फीसदी और 0.4 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं, निफ्टी ऑटो और फार्मा को छोड़कर अन्य सभी सेक्टोरल इंडेक्स गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका के अप्रैल से ऑटो आयात पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद से ही वाहन शेयरों में गिरावट देखने को मिली। निफ्टी ऑटो इंडेक्स गुरुवार को 1.04 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। सबसे ज्यादा गिरावट टाटा मोटर्स के शेयरों में रही। टाटा मोटर्स के शेयर 6.58 फीसदी नीचे आकर 661.35 पर आ गए। अशोक लीलैंड में 4.60 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 1.70 फीसदी नीचे आये। बजाज ऑटो के शेयरों में 1.48 फीसदी और अपोलो टायर्स में 1.41 फीसदी की गिरावट रही।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एसएंडपी 500 1.12 फीसदी की गिरावट के साथ 5,712.20 पर बंद हुआ, डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.31 फीसदी की गिरावट के साथ 42,454.79 पर बंद हुआ और नैस्डैक कंपोजिट 2.04 फीसदी की गिरावट के साथ 17,899.01 पर बंद हुआ।

एनवीडिया के शेयरों में लगभग 6 फीसदी की गिरावट आई, जबकि मेटा प्लेटफॉर्म और अमेज़ॅन जैसे प्रमुख तकनीकी नामों में 2 फीसदी से अधिक की गिरावट आई और अल्फाबेट में 3 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। टेस्ला में 5 फीसदी से अधिक की गिरावट आई।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। चीनी बाजारों में तेज आई ।

जापान के बेंचमार्क निक्केई 225 में 0.99 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि व्यापक टॉपिक्स में 0.48 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.94 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला पर कुछ देर बाद ही इसमें बढ़त होने लगी। एशियाई बाजारों में मिले-जुले रुख के बीच ही अमेरिकी बाजार में भी गिरावट रही। जिससे भी भारतीय बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। अमेरिकी सरकार के आयात पर नए टैरिफ की घोषणा के बाद से भी दुनिया भर के बाजार गिरे। वैश्विक बाजारों में कमजोरी के चलते घरेलू शेयर बाजार सुबह गिरावट में खुले पर कुछ समय बाद ही ये हरे निशान पर पहुंच गये।

जीई एयरोस्पेस ने एचएएल को सौंपा 99 एफ404-इन20 का इंजन

कंपनी के शेयरों में तेजी की उम्मीद, निवेशक लगाए हुए नजरें

नई दिल्ली।

जीई एयरोस्पेस ने मंगलवार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल)को तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के लिए 99 एफ404-इन20 इंजनों में से पहला इंजन सौंप दिया है। कंपनी ने इसे एचएएल के साथ चार दशक से जारी यमझौते में एक अहम हिस्सा बताया है। जीई एयरोस्पेस ने कहा कि यह डिलीवरी भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में उसकी प्रतिबद्धता दर्शाती है। इससे कंपनी के शेयरों में तेजी आने की उम्मीद है। एचएएल के शेयरों पर आज भी निवेशकों की नजरें रही।

एफ404 इंजन फैमिली सैन्य विमानन के इतिहास में सबसे सफल इंजनों में से एक मानी जाती है। यह इंजन दुनियाभर में हजारों लड़ाकू विमानों को ताकत देता है। खासतौर पर भारत के तेजस के लिए डिजाइन किया गया एफ404-इन20 इस सीरीज का सबसे ज्यादा थ्रस्ट देने वाला इंजन है। इसमें हाई-फ्लो फैन, एडवांस्ड सिंगल-क्रिस्टल टरबाइन ब्लेड्स और विशेष रूप से तैयार किए गए कंपोनेंट्स शामिल हैं। जीई एयरोस्पेस और तेजस प्रोग्राम की टीमों ने कई सालों तक मिलकर काम किया ताकि इंजन को भारतीय वायुसेना की जरुरतों के मुताबिक तैयार किया जा सके। कंपनी ने बताया कि एफ404 इंजन ने अपनी क्षमताएं 2008 में उस समय साबित कीं जब तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट ने अपनी पहली परीक्षण उड़ान में विभिन्न मिशन ऊंचाइयों तक सफलतापूर्वक उड़ान भरी और मैक 1.1 की रफ्तार तक पहुंच गया। जीई एयरोस्पेस ने कहा कि उसे तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट एमके 1ए फाइटर जेट के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) जैसे मूल्यवान ग्राहक को 99 एफ404-इन20 इंजनों में से पहला इंजन सौंपने की खुशी है। यह एचएएल के साथ हमारे 40 साल पुराने रिश्ते और भारत की सैन्य ताकत को मजबूत भविष्य देने के हमारे प्रयासों में एक अहम मील का पत्थर है। हमारा लक्ष्य अगली पीढ़ी के फाइटर जेट्स के

विकास के साथ-साथ देश की डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को भी बढ़ाना है। जीई एयरोस्पेस का भारत से जुड़ाव 1980 के दशक से है, जब उसने एरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी के साथ सहयोग किया था। 2004 में एफ404-इन20 इंजन को सिंगल इंजन वाले तेजस फाइटर जेट के लिए चुना गया, जो भारत और जीई एयरोस्पेस दोनों के लिए एक बड़ा मील का पत्थर साबित हुआ।

भारतीय उद्योग की सरकार से अपील, रेसिप्रोकल टैरिफ घटाने अमेरिका से करे व्यापार समझौता

नई दिल्ली।

अमेरिका द्वारा 2 अप्रैल से रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किए जाने से पहले भारतीय उद्योग जगत ने सरकार से अपील की है कि उसे ऐसे शुल्कों के प्रभाव से बचाया जाए। सूत्रों के मुताबिक उद्योग इस बात को लेकर चिंतित है कि इन टैरिफ का असर नौकरियों पर पड़ेगा। उद्योग जगत चाहता है कि इन टैरिफ के असर को कम करने के लिए भारत जल्द अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करे। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि वह 2 अप्रैल से रेसिप्रोकल टैरिफ लागू करेगा ताकि अमेरिका से आयात पर लगाए गए टैरिफ और गैर-टैरिफ देशों के बराबर शुल्क लगाया जा सके। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि भारत को उसके ऊंचे टैरिफ स्ट्रक्चर की वजह से कोई विशेष रियायत नहीं दी जाएगी, लेकिन पिछले कुछ दिनों में उनका रुख नरम हुआ है। किसी देश का नाम लिए बिना ट्रंप ने कहा कि 2 अप्रैल को कई देशों को कुछ छूट दी जा सकती है। इस समय भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए गहन चर्चा चल रही है। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के सहायक प्रतिनिधि अमेरिकी अधिकारियों की एक टीम के साथ पांच दिवसीय भारत दौरे पर हैं, जहां वे भारतीय पक्ष के साथ बैठकें कर रहे हैं।

गर्व का पल, मारुति सुजुकी ने पहली बार किसी भारतीय को निदेशक मंडल में जगह दी

खरखौदा में तीसरा प्लांट स्थापित करने के लिए निवेश को मंजूरी

मुंबई।

कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने इतिहास में पहली बार किसी भारतीय को अपने निदेशक मंडल में जगह दी है। कंपनी के बोर्ड में एक भारतीय नियुक्ति की गई है, जिसके कंधों पर नया प्लांट स्थापित करने की जिम्मेदारी होगी। कंपनी अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए हरियाणा में एक और यूनिट लगाने वाली है। इसके लिए पैसों की मंजूरी भी मिल चुकी है और जल्द ही यूनिट के निर्माण का काम शुरू होगा। मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने बताया कि मारुति सुजुकी के निदेशक मंडल ने कंपनी के इतिहास में पहली बार एक भारतीय कर्मचारी को बोर्ड में नियुक्त करने की मंजूरी दी है। मारुति सुजुकी के बोर्ड ने सुनील कक्कड़ को निदेशक कॉर्पोरेट योजना के रूप में नियुक्त किया है। गौरतलब है कि चेयरमैन भार्गव और पूर्व एमडी जगदीश खट्टर को सरकार ने बोर्ड में नियुक्त किया था न कि कंपनी की ओर से यह नियुक्ति हुई थी। भार्गव ने कदम को कंपनी के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर बताकर कहा कि इससे सुजुकी जापान और मारुति सुजुकी के बीच उच्चतम स्तर पर बेहतर समन्वय बनेगा। इसके अलावा, मारुति सुजुकी इंडिया ने घोषणा की कि उसके बोर्ड ने हरियाणा के खरखौदा में तीसरा प्लांट स्थापित करने के लिए 7,410 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी है, जिसकी क्षमता प्रति वर्ष 2.5 लाख वाहनों तक होगी। नए प्लांट से खरखौदा में क्षमता सालाना 7.5 लाख यूनिट तक पहुंचने की संभावना है और प्रस्तावित क्षमता साल 2029 तक जोड़ी जाएगी। मारुति सुजुकी के तीसरे संयंत्र की स्थापना का कारण बाजार की मांग में वृद्धि है, जिसमें निर्यात भी शामिल है। मारुति देश की सबसे ज्यादा कार बेचने वाली कंपनी है, जिसका निर्यात भी सबसे आगे है। मारुति ने साल 2024 में उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया था, जब मारुति ने सालाना 20 लाख से ज्यादा वाहनों का उत्पादन किया था। कंपनी के कुल उत्पादन में 60 फीसदी हिस्सेदारी हरियाणा स्थित यूनिट की थी, जबकि 40 फीसदी उत्पादन गुजरात स्थिति इकाइयों में किया गया था। कंपनी के मानेसर स्थित संयंत्र में भी 20 लाखवीं गाड़ी का उत्पादन किया गया, जो एक आर्टिगा कार थी।

इंडसइंड बैंक आर्थिक घोटाले की सेबी कर रही अलग एंगल से जांच

सेबी ने 5 वरिष्ठ बैंक अधिकारियों द्वारा किए ट्रेड की मांगी जानकारी

मुंबई। इंडसइंड बैंक में हुए आर्थिक घोटाले को लेकर शेयर बाजार नियामक संस्था, सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) अलग एंगल से जांच कर रही है। दरअसल, सेबी इंडसइंड बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संभावित इनसाइडर ट्रेडिंग की जांच कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसकी जानकारी घटनाक्रम से जुड़े दो लोगों ने दी। हाल ही में बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में सामने आई गड़बड़ी से शेयरों में भारी गिरावट आई थी। इस मामले में सेबी ने इंडसइंड बैंक के पांच वरिष्ठ बैंक अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले ट्रेड के बारे में जानकारी मांगी है, उन्हें इसमें गड़बड़ी होने की जानकारी पहले से ही थी। रिपोर्ट में एक सूत्र ने कहा कि सेबी इस बात की भी जांच कर रहा है कि बैंक ने अपने डिस्क्लोजर स्टैंडर्ड का उल्लंघन किया है या नहीं? स्टॉक एक्सचेंज को दिए डिस्क्लोजर के मुताबिक कुछ टॉप मैनेजमेंट अधिकारियों ने जनवरी 2024 से करोड़ों रुपए के बैंक शेयर बेचे और खरीदे हैं। सूत्र ने कहा कि केएमपी (की मैनेजमेंट प्रोफेशनल) के रूप में अगर उन्हें केंद्रीय बैंक की कार्रवाई के बारे में पता था, तो वे व्यापार नहीं कर सकते, भले ही इसमें ईएसओपी को भुनाना शामिल हो।

रिपोर्ट के मुताबिक सेबी और इंडसइंड बैंक दोनों ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इंडसइंड बैंक के 1500 करोड़ रुपए के डेरिवेटिव घाटे की वजह आरबीआई के सितंबर 2023 के निर्देश हैं, जिसमें कहा गया है कि सभी डेरिवेटिव लेनदेन को मार्क-टू-मार्केट किया जाएं यानी इंस्ट्रूमेंट्स का मूल्यांकन उनके मौजूदा बाजार मूल्य के अनुसार किया जाए।इंडसइंड बैंक ने 10 मार्च को अपने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बड़ी सामने आने की जानकारी शेयर बाजार को दी। इसके बाद शेयरों में तेज गिरावट देखी गई और एक दिन में बैंक के स्टॉक 27 फीसदी तक गिर गए। इससे बैंक का 18000 करोड़ रुपए का मार्केट कैपिटलाइजेशन साफ हो गया।

ट्रंप ने ऑटो आयात पर लगाया 25 फीसदी टैरिफ, वसूली 3 अप्रैल से

हर साल 100 अरब डॉलर का मिलेगा रेवेन्यू, अमेरिका में खुलेंगी नई कंपनियां

नई दिल्ली।

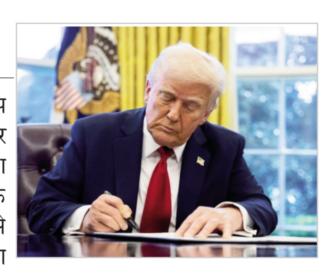

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बुधवार को ऑटो आयात पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। व्हाइट हाउस के मुताबिक ट्रंप के इस कदम से घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि इससे उन ऑटो कंपनियों पर वित्तीय दबाव बढ़ जाएगा जो ग्लोबल सप्लाई चेन पर निर्भर हैं। ट्रंप ने कहा कि यह वृद्धि को लगातार प्रोत्साहित करता रहेगा। हम प्रभावी रूप से 25 फीसदी टैरिफ वसूलेंगे। ये टैरिफ हर साल 100 अरब डॉलर का रेवेन्यू जुटाएंगे, लेकिन यह प्रक्रिया जटिल हो सकती है क्योंकि अमेरिकी ऑटो कंपनियां भी अपने कई कंपोनेंट्स दुनियाभर से मंगवाते हैं। यह टैक्स बढ़ोतरी अप्रैल से लागू होगी, जिससे ऑटो कंपनियों की लागत बढ़ सकती है और बिक्री पर असर पड़ सकता है। हालांकि ट्रंप का तर्क है कि इन टैरिफ से अमेरिका में और फैक्ट्रियां खुलेंगी और वह सप्लाई चेन खत्म होगी जिसे वह ÷बेतुका÷ मानते हैं, जहां ऑटो पार्ट्स और तैयार वाहन अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको के बीच अलग-अलग स्थानों पर बनाए जाते हैं। टैरिफ संबंधी निर्देश पर अपनी गंभीरता को दर्शाते हुए ट्रंप ने कहा कि यह स्थायी है। बुधवार के ट्रेडिंग सेशन में जनरल मोटर्स के शेयर करीब 3 फीसदी गिरे। फोर्ड के शेयरों में हल्की बढ़त हुई, जबकि जीप और क्राइसलर की पैरेंट कंपनी स्टेलैंटिस के शेयर करीब 3.6 फीसदी की गिरावट आई। ट्रंप ने कहा कि ऑटो टैरिफ की वसूली 3 अप्रैल से शुरू होगी। अगर ये टैक्स पूरी तरह उपभोक्ताओं पर डाल दिए गए, तो एक आयातित वाहन की औसत कीमत में 12,500 डॉलर तक की बढ़ोतरी हो सकती है, जो समग्र महंगाई को और बढ़ा देगी। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए गए ऑटो टैरिफ उनके देश पर ÷सीधा हमला÷ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह व्यापार युद्ध अमेरिकियों को नुकसान पहुंचा रहा है, क्योंकि अमेरिकी उपभोक्ताओं का भरोसा कई सालों के निचले स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही सीधा हमला है। हम अपने कामगारों, अपनी कंपनियों और अपने देश का बचाव करेंगे।

नहीं सुलझा टेस्ला बनाम टेस्ला पावर इंडिया का विवाद

अब सुनवाई 15 अप्रैल को

नई दिल्ली।

दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को एलन मस्क की टेस्ला इंक द्वारा भारत स्थित टेस्ला पावर इंडिया लिमिटेड के खिलाफ दायर ट्रेडमार्क उल्लंघन याचिका पर सुनवाई करने की सहमति दे दी।

दोनों पक्षों द्वारा आपस में मिलकर निपटारा करने में विफल रहने के बाद एलन मस्क ने यह याचिका दायर की थी।

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई 15 अप्रैल को करेंगे। टेस्ला इंक ने पिछले साल 2 मई को गुरुग्राम स्थित टेस्ला पावर इंडिया के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में ट्रेडमार्क उल्लंघन का मुकदमा दायर किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कंपनी 'टेस्ला' नाम और लोगो का इस्तेमाल कर उपभोक्ताओं को गुमराह कर रही है जिससे कि उन्हें विश्वास हो जाए कि यह एलन मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी से संबंधित है।

पिछले साल सुनवाई के दौरान टेस्ला ने कोर्ट को बताया था कि अप्रैल 2022 में रोक लगाने के आदेश के बावजूद गुरुग्राम स्थित कंपनी ने 'टेस्ला पावर' ब्रांड नाम का इस्तेमाल किया था।

इस बीच, भारतीय कंपनी ने तर्क दिया है कि उसका मुख्य व्यवसाय लेड एसिड बैटरी है और उसकी इलेक्ट्रिक वाहन बनाने की कोई योजना नहीं है।

सुनवाई के बाद 28 नवंबर को हाईकोर्ट ने मामले को स्थगित कर दिया था क्योंकि दोनों पक्षों ने कहा कि उन्होंने दिल्ली मेडिएशन एंड कॉन्सीलिएशन सेंटर से संपर्क किया है।

बुधवार को दोनों पक्षों ने कहा कि मध्यस्थता विफल हो गई है और उन्होंने कोर्ट से मामले की सुनवाई आगे बढ़ाने का अनुरोध किया था जिसे कोर्ट ने मान लिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरसीबी और सीएसके में आज रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। इस मैच में सीएसके जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। इसका कारण है कि वह अपने घरेलू मैदान पर खेल रही है जिसका लाभ उसे मिलेगा। इसके अलावा टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। उसने शुरुआती मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अच्छी जीत दर्ज की थी। वहीं आरसीबी की टीम इस मैदान में अब तक केवल एक बार ही जीती है। वह भी 17 साल पहले साल 2008 में। इसके बाद से ही आरसीबी को यहां एक भी जीत नहीं मिली है। ऐसे में आरसीबी का लक्ष्य इस बार किसी भी हाल में जीतना रहेगा। साल 2008 सत्र में जब आसीबी को जीत मिली थी। उस टीम से अब केवल विराट कोहली ही एकमात्र खिलाड़ी हैं जो वर्तमान टीम में हैं।

ऐस में आरसीबी का लक्ष्य इस मैच को जीतना रहेगा हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं होगा क्योंकि सीएसके की टीम के स्पिनरों का सामना करना उसे लिए आसान नहीं होगा। इस मैदान पर पिच स्पिनरों की सहायक रही है। सीएसके टीम के पास रविंद्र जडेजा आर अश्विन जैसे अनुभवी स्पिनर हैं। इसके अलावा अफगानिस्तान के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर नूर अहमद को भी टीम में उसने शामिल किया है। इन गेंदबाजों ने कुछ दिन पहले ही पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। इसको देखते हुए आरसीबी के लिए रन बनाना आसान नहीं होगा।

आरसीबी के बल्लेबाजों को सीएसके के स्पिनरों के खिलाफ पूरी तरह से आक्रामक होने के लिए काफी ध्यान से खेलना होगा। इस मामले में विराट को बल्लेबाजी की कमान संभालनी होगी। स्पिन का सामना करना हालांकि उनका मजबूत पक्ष नहीं रहा है लेकिन पिछले दो वर्षों में उन्होंने इस विभाग में काफी सुधार दिखाया है। इस बदलाव का मुख्य कारण स्पिनरों के खिलाफ अधिक स्वीप और स्लॉग स्वीप खेलने की उनकी इच्छा है और कोहली को इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

कोहली का इसमें फिल सॉल्ट, कप्तान रजत पाटीदार, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा जैसे बल्लेबाजों को साथ देना होगा। इस पिच को देखते

हुए आरसीबी टिम डेविड की जगह जैकब बेथेल को अंतिम एकादश में रख सकती है। इससे टीम को बाएं हाथ का एक स्पिनर भी मिल जाएगा। इस मैच में टीम की नजरें तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की फिटनेस पर भी रहेंगी। वह फिट नहीं होने के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पहले मैच से बाहर थे। अगर वह फिट हुए तो उन्हें रसिख सलाम की जगह एकादश में जगह मिल सकती है।

वहीं सीएसके की जीत के लिए उसके मध्यक्रम को रन बनाने होंगे। पहले मैच में शिवम दुबे, दीपक हुड्डा और सैम कुरेन असफल रहे थे। उन्हें रचिन रविंद्र और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा अनुभवी महेंद्र सिंह धोनी से टीम इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद करेगी। सीएसके के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना अगर फिट हुए तो इस मैच में उनका खेलना तय है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र धोनी, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी और आंद्रे सिद्दार्थ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल सॉल्ट, जितेश शर्मा, लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, कृणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वस्तिक चिकारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह और मोहित राठी।

फिर दिखा एमएस धोनी का देश और सेना से प्रेम, प्रैक्टिस छोड़ सीआईएसएफ कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों आईपीएल 2025 में खेलते नजर आ रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच से पहले व्यस्त कार्यक्रम के बीच धोनी चेन्नई के मरीना बीच में तटीय सुरक्षा जागरूकता पर एक केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे।

धोनी इस कार्यक्रम के दौरान प्रैक्टिस ड्रेस में ही पहुंचे। धोनी ने कहा, 'मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। भारत में एक बहुत लंबी तटरेखा है और इसे अकेले ही करना मुश्किल है, तटरक्षक, नौसेना और पुलिस के लिए भी। नागरिकों को अधिकारियों को सूचित करने के लिए यह बताने के लिए कि क्या वे कुछ भी अनियंत्रित देखते हैं।

धोनी के अलावा अन्य उल्लेखनीय खेल हस्तियों जैसे नीरज चोपड़ा, मनु भकर, बाचुंग भूटिया, सुनील गावस्कर, सुरेश रैना, जवगल श्रीनाथ, हरभजन सिंह, रजनीकांत, मोहनलाल, अक्षय कुमार, सूर्या, आर मध्वन, सनल शट्टी, एनील कपूर, जाक, एनील शेटी, जाक। मिलिंद सोमन, और अन्य लोगों ने भी पहल का समर्थन किया है।

CISF मेगा साइक्लोथन, जिसे 7 मार्च को तमिलनाडु में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा ध्वजांकित किया गया था, की दो टीमें हैं, जो कि 11 राज्यों में 6,553 किमी और भारत के तट के साथ केंद्र क्षेत्रों में 6,553 किमी की दूरी पर 25-दिवसीय यात्रा पर हैं। CISF अधिकारियों के अनुसार चक्रवात का उद्देश्य, तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस की आंखों और कान बनना है।

सुनील नरेन को रिप्लेस करना मुश्किल था, रॉयल्स पर जीत के बाद बोले मोईन अली

गुवाहाटी (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए अपना पहला आईपीएल मैच खेलते हुए मोईन अली ने 23 देकर 2 विकेट झटके और अस्वस्थ सुनील नरेन की अनुपस्थिति में राजस्थान रॉयल्स पर बुधवार को बार्सापार क्रिकेट स्टैडियम पर जीत हासिल करने में अपना योगदान दिया। मैच के बाद मोईन ने कहा कि उन्होंने नरेन के प्रतिस्थापन के रूप में कदम बढ़ाने का उचित काम किया।

उन्होंने कहा, 'यह अच्छा था। मैं अच्छी तरह से अभ्यास कर रहा हूं। मुझे आज सुबह बताया गया था कि सुनील ठीक नहीं था। सुनील को रिप्लेस करना मुश्किल था, लेकिन मैंने एक निष्पक्ष काम किया। वे विकेट हैं जिनका आप सबसे अधिक आनंद लेते हैं, कोशिश करते हैं और बल्लेबाजों को खोलते हैं जितना हो सके गेंद को स्पिन करें। वास्तव में अच्छा है, वास्तव में लोगों का अच्छा झुंड, यह अब तक आश्चर्यजनक है। 37 साल की उम्र में बेहतर होने की कोशिश कर रहा है। यह एक बहुत, बहुत संतुलित पक्ष है, ये सभी खिलाड़ी अद्भुत हैं, नरेन, रसेल, और क्विनी को हमेशा खेलने की गारंटी दी जाती है, इसलिए इसे पाने के लिए कठिन है। जब यह आता है तो अपना मौका लें।' जोफ्रा आर्चर का सामना करने वाले अपने अनुभव के बारे में पूछे जाने पर मोईन ने कहा, 'मुझे राख के बाद से शायद उस तरह की तेज गेंदबाजी का सामना नहीं हुआ है। मैं बदकिस्मत था। वह मेरे लिए बहुत जल्दी था, वह मेरे लिए बहुत जल्दी था। बस अपने खेल के शीर्ष पर रहने के लिए और अभी भी सुधार करने और विकसित करने की कोशिश। मेरे अनुभव का उपयोग करें।'

बीसीसीआई के केन्द्रीय अनुबंध में होंगे बदलाव , रोहित , विराट होंगे डिमोट

-अक्षर , शुभमन सहित चार खिलाड़ी हो सकते हैं प्रमोट

-कई नये खिलाड़ियों को मिलेगा अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पुरुष क्रिकेटरों के केन्द्रीय अनुबंध में कई बदलाव होने की संभावना है। इसके तहत कई बड़े खिलाड़ी बाहर हो सकते हैं और बेहतर प्रदर्शन कर रहे युवा खिलाड़ियों को जगह मिल सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नये अनुबंध में टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा को नुकसान हो सकता है। वहीं अक्षर पटेल सहित चार खिलाड़ियों को लाभ मिल सकता है।

वहीं टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर के सपोर्ट स्टाफ को भी कम किया जा सकता है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा को ए प्लस से डिमोट करके ए ग्रेड में डाला जा सकता है। ए प्लस ग्रेड सबसे टॉप ग्रेड है। इसमें आम तौर पर उन खिलाड़ियों को रखा जाता है जो लगातार टीम इंडिया के लिए तीनों फॉर्मेट में अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। , रोहित, कोहली और जडेजा तीनों ही टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं, लिहाजा उन्हें ए ग्रेड में डाला जा सकता है। शुभमन गिल को ए ग्रेड से प्रमोट करके ए प्लस ग्रेड में डाला जा सकता है। एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अक्षर पटेल को ग्रेड बी से प्रमोट करके ग्रेड ए में डाला जा सकता है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके रविचंद्रन अश्विन की कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर किया जाएगा।

कुछ नए चेहरों की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में एंट्री हो सकती है। नीतीश रेड्डी, हर्षित राणा और अभिषेक शर्मा को पहली बार शामिल किया जा सकता है। इन्हें सी कैटेगरी में रखा जा सकता है। पिछली बार घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने की वजह से श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से छुट्टी कर दी गई थी लेकिन इस बार अय्यर को प्रवेश मिलना तय है।

पिछली बार केन्द्रीय अनुबंध में ये खिलाड़ी पाए थे जगह ए प्लस ग्रेड- रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा

ए ग्रेडः आर अश्विन, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या

बी ग्रेडः सूर्य कुमार यादव, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और यशस्वी जायसवाल

सी ग्रेडः रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, शार्दुल ठाकुर, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, जितेश शर्मा, वॉशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, केएस भरत, प्रसिद्ध कृष्णा, अवेश खान और रजत पाटीदार

अनुबंध : ए प्लस-सालाना 7 करोड़ रुपये, ए-सालाना 5 करोड़ रुपये, बी-सालाना 3 करोड़ रुपये, सी-सालाना 1 करोड़ रुपये

हरभजन बोले, हिंदी कमेंट्री की गुणवत्ता को बेहतर बनाएंगे, प्रशंसक ने जताई थी चिन्ता

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन सिंह आजकल कमेंट्री के क्षेत्र में सक्रिय है। हरभजन आईपीएल में कमेंट्री कर रहे हैं। इसी दौरान हरभजन ने हिंदी कमेंट्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाने वाले एक प्रशंसक को भी जवाब दिया है।

इससे पहले इस प्रशंसक ने सोशल मीडिया में कहा था कि पहले हिंदी कमेंट्री काफी अच्छी थी पर आजकल ऐसा नहीं रहा है। इसमें जानकारी कम और व्यंगात्मक टिप्पणियां अधिक होती हैं। इसी को लेकर हरभजन ने इस प्रशंसक को दिये जवाब में कहा कि इसमें सुधार किया जाएगा। इस पूर्व भारतीय स्पिनर ने सोशल मीडिया में लिखा, जानकारी के लिए धन्यवाद। हम इस सुझाव पर काम करेंगे। गौरतलब है कि आईपीएल में हरभजन सिंह के अलावा वीरेंद्र सहवाग, नवजोत सिंह सिद्धू, शिखर धवन, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा के आलावा आकाश चोपड़ा सहित कई अन्य पूर्व क्रिकेटर हिंदी कमेंट्री पैनल में शामिल हैं।

इंग्लैंड दौरे पर भी रोहित ही रहेंगे कप्तान : रिपोर्ट

मुम्बई ।रोहित शर्मा का आगामी इंग्लैंड दौरें में भी भारतीय टीम का कप्तान बने रहना तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस दौरे के लिए कप्तानी में किसी प्रकार के बदलाव के पक्ष में नहीं है। भारतीय टीम साल 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने के इरादे से इस दौरे पर जाएगी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की ये सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगी। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम विफल रही थी। जिसके बाद से ही माना जा रहा था कि रोहित को कप्तानी से हटाया जा सकता है पर चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम को मिली जीत के बाद बोर्ड रोहित को अभी और अवसर देना चाहता है। रोहित ने भी हाल ही में कहा था कि अभी उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है। चयन समिति के आईपीएल फाइनल से पहले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम घोषित करने की उम्मीद है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर वाली समिति इसके साथ ही चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम का भी चयन करेगी। ये मैच टेस्ट सीरीज से पहले खेले जाएंगे। इस टीम में राष्ट्रीय टीम के कुछ खिलाड़ी भी खेलेंगे। रोहित के खराब फार्म के कारण पिछले दिनों उन्हें टीम में जगह दिये पर भी सवाल उठे थे। उन्होंने सितंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच 10 टेस्ट मैचों में केवल 164 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा था। उन्होंने 6.2 की औसत से सिर्फ 31 रन बनाए थे। यह किसी भी दौरे पर गए कप्तान का सबसे खराब प्रदर्शन था। जनवरी में रणजी ट्रॉफी में भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

भारतीय महिला हॉकी टीम लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों में लगी

-दिग्गज ड्रैग फ्लिक ताइके ताइकेमा दे रहे टीम को परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभी से तैयारियों में लगी है। हॉकी इंडिया ने टीम की तैयारियों के लिए नीदरलैंड के दिग्गज ड्रैग फ्लिक ताइके ताइकेमा से भी करार किया है। इसी के तहत ताइकेमा टीम की इस कमजोरी को भी टीम करने में लगे हैं। ताइकेमा ने पिछले महीने भुवनेश्वर में प्रो लीग से पहले सात दिवसीय शिविर में भी भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया था। भारत ने प्रो लीग के घरेलू चरण में इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और स्पेन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। ताइकेमा के मार्गदर्शन में शिविर का मुख्य उद्देश्य तकनीकी कौशल को निखारने के साथ ड्रैग फ्लिक की सटीकता में सुधार करना था।

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद रहा और ताइकेमा लॉस एंजिल्स खेलों तक अल्पकालिक आधार पर टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ''ताइकेमा ड्रैग फ्लिक के मामले में सबसे महान दिग्गजों में से एक हैं। वह तकनीक को निखारने और ड्रैग फ्लिक की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए टीम के साथ काम कर रहे हैं।''

हरेंद्र ने कहा, ''ड्रैग फ्लिक करना एक विशिष्ट कौशल है और ताइकेमा भविष्य के शिविर में भी हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे।'' हरेंद्र ने कहा कि दीपिका सहित इससे हमारी टीम की सभी खिलाड़ियों के कोशल में सुधार आया है।

इस 45 साल के पूर्व खिलाड़ी को अपने खेल के दिनों में पेनल्टी-कार्नर की सटीकता के लिए जाना जाता था। ताइकेमा ने 11 वर्षों के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में नीदरलैंड की पुरुष टीम के लिए 94 मैचों में 170 गोल किए। उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञों में से एक माना जाता है।

एशेज सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से हट जाएगा गाबा मैदान

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन स्टेडियम में अब प्रशंसकों को क्रिकेट मुकाबले देखने को नहीं मिलेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज के बाद यह मैदान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले लेगा। इस मैदान पर दशकों से क्रिकेट और ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग (एएफएल) मुकाबले होते रहे हैं। को 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के बाद ध्वस्त कर दिया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट और फुटबॉल का गढ़ माना जाता है पर अब क्वींसलैंड सरकार ने इस ऐतिहासिक मैदान की जगह विक्टोरिया पार्क में एक नया, अत्याधुनिक स्टेडियम बनाने की घोषणा की है। यह स्टेडियम करीब 63,000 दर्शकों की क्षमता वाला होगा और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए उपयोग में लाया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट की दुनिया में ऑस्ट्रेलिया का एक ऐसा मैदान माना जाता है जहां उसे हमेशा ही जीत मिलती रही है हालांकि साल 2021 में भारतीय क्रिकेट टीम ने इस मैदान पर जीतक मेजबान टीम का अजेय वाला रिकार्ड तोड़ दिया था। भारतीय टीम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया को साल 1988 के बाद पहली बार इस मैदान पर पराजित किया था।

गाबा स्टेडियम लंबे समय से पुरानी संरचना और सीमित सुविधाओं के कारण निशाने पर बना हुआ था। इसे मैदान के पुनर्निर्माण की पहले योजना थी पर भारी भरकम खर्च को देखते हुए रद्द कर दिया गया। लोग इस स्टेडियम के भी भारी रकम खर्च करने के खिलाफ थे जिसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया दबाव में था। वहीं सरकार ने अब तय किया है कि गाबा की जगह एक नया अत्याधुनिक स्टेडियम बनाया जाएगा, जो आधुनिक खेल सुविधाओं से परिपूर्ण होगा और इससे क्वींसलैंड के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलेंगे। नए स्टेडियम के निर्माण में लगभग 3.8 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की लागत आएगी। इसे क्रिकेट, एएफएलएल फुटबॉल और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाएगा।

निडर होकर खेल रहे युवा भारतीय क्रिकेटरों से प्रभावित हैं स्टोइनिस

नई दिल्ली ।आईपीएल में पंजाब किंग्स की तरफ से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने भारत के युवा क्रिकेटरों की जमकर प्रशंसा की है। स्टोइनिस ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय युवा खिलाड़ी निडर होकर खेल रहे हैं वह सराहनीय है। स्टोइनिस के अनुसार इसी कारण भारतीय टीम को टी20 प्रारुप से रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के एकसाथ संन्यास लेने से भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इनकी जिम्मेदारी बाद तिलक वर्मा , अभिषेक शर्मा और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों ने अच्छी तरह से संभाल ली है। वह पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य की पारी से भी प्रभावित नजर आये। स्टोइनिस ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट में काफी गहराई है। वह हमेशा से रही है। और मेरा मानना है कि आईपीएल से उनके खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपने कौशल का नमूना पेश करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हैं क्योंकि उन्हें अपने करियर की में ही आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में दबाव के हालातों से गुजरने का लाभ मिल जाता है। खेल के प्रति उनका आक्रामक रवैया वास्तव में शानदार है।

पीएसएल में करांची किंग्स की कप्तानी करते हुए नजर आयेंगे वॉर्नर

लाहौर ।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड वॉर्नर अगले माह 11 अप्रैल से शुरु हो रहे पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के 10 सत्र में करांची किंग्स की कप्तानी करते हुए नजर आयेंगे। कराची किंग्स ने वॉर्नर को अपना नया कप्तान बनाया है। वार्नर को शान मसूद की जगह कप्तान बनाया गया है। वॉर्नर पहली बार पाकिस्तान सुपर लीग में खेलते हुए नजर आएंगे। वॉर्नर को इससे पहले आईपीएल में किसी भी टीम ने अपने साथ नहीं जोड़ा था। ऐसे में उन्होने पीएसएल में खेलने पाक का रुख किया। वॉर्नर को इसमें कराची ने उन्हें अपने साथ जोड़ा। कराची किंग्स के मालिक सलमान इकबाल ने वॉर्न को कप्तान सौंपने पर खुशी जताते हुए कहा, हम डेविड वॉर्नर का नए कप्तान के रूप में कराची किंग्स परिवार में स्वागत करते हैं। एक लीडर और मैच विजेता के रूप में उनका ट्रैक रिकॉर्ड शानदार रहा हैहै। हम पिछले सत्र में कप्तान रहे शान मसूद के योगदान की भी सराहना करते हैं। एक मजबूत नीवं रखने में उनके प्रयास अहम थे। हमें टीम ने एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उनसे काफी उम्मीदें हैं। गौरतलब है कि वॉर्नर को टी20 क्रिकेट का खास अनुभव है। उन्होंने आईपीएल, बिग बैश लीग सहित कई लीगों में कप्तानी की है। वह टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 399 टी20 मैचों में 37.00 की औसत से 12913 रन बनाए हैं।

क्रिकेटर बनने का सपना था, भयानक चोट से हुए लकवाग्रस्त, अब पैरा टेबल टेनिस में कर रहे कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी ऋषित नाथवानी हमेशा से ही पेशेवर क्रिकेटर बनना चाहते थे लेकिन 2017 में एक साधारण से कबड्डी मैच के दौरान लगी एक भयानक चोट ने उन्हें गर्दन से नीचे लकवाग्रस्त कर दिया। लेकिन नाथवानी ने उम्मीद नहीं छोड़ी, उन्होंने अपने खेल सफर को जारी रखने के लिए पैरा टेबल टेनिस की ओर रुख किया और यहां खेलो इंडिया पैरा खेलों (केआईपीजी) 2025 में पुरुषों की क्लास 5 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। नाथवानी ने चोट को याद करते हुए बताया, 'मेरी पीठ में चोट लगी थी। अंदरूनी रक्तस्राव हो रहा था जिससे मेरी नसें फट गईं और रीढ़ की हड्डी थोड़ी हिल गई। इससे मैं गर्दन से नीचे लकवाग्रस्त हो गया।'

डॉक्टर उनके ठीक होने को लेकर निराशावादी थे, उनका सुझाव था कि वे शायद कभी बिस्तर से ही नहीं उठ पाएं। लेकिन नाथवानी और उनके परिवार ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में दो महीने 'रिहैबिलिटेशन' में बिताने के बाद नाथवानी धीरे-धीरे अपने ऊपरी शरीर में 'मूवमेंट' हासिल करने लगे। उनका शुरुआती लक्ष्य पेशेवर क्रिकेट में वापसी करना था। लेकिन जैसे-जैसे फिजियोथेरेपी आगे बढ़ी, उन्हें अहसास हुआ कि अब वह इस रास्ते पर नहीं चल सकेंगे, उन्हें दूसरा खेल चुनना होगा होगा। नाथवानी ने कहा, 'चोट के बाद मेरा पहला लक्ष्य पूरी तरह से ठीक होना और पेशेवर क्रिकेट में वापसी करना था। दो साल तक फिजियोथेरेपी की और काफी हद तक ठीक हो गया, लेकिन मेरे पैर ठीक नहीं हुए।'

संयोग से पैरा टेबल टेनिस उनके जीवन में आया। अपनी मां के साथ एक यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात उनके पहले कोच अशोक पाल से हुई जो एक छोटी सी दुकान में पैरा टेबल टेनिस सिखा रहे थे। पाल ने उनकी काबिलियत पर भरोसा दिखाया और नाथवानी ने ट्रेनिंग शुरू कर दी। नाथवानी ने कहा, 'उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैं खेलता हूं तो मैं राष्ट्रीय स्तर पर जीत सकता हूं।'

जब वह 19 साल के थे, उन्होंने 2021 में अपनी पहली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रजत पदक जीता जिसने भविष्य की सफलता के लिए मंच तैयार किया। अब नाथवानी का लक्ष्य अपनी विश्व रैंकिंग में सुधार करना और फिर 2028 लॉस एंजिल्स पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई करना है। लेकिन वह समझते हैं कि इस यात्रा के लिए समर्पण की आवश्यकता है, अपनी रैंकिंग को बनाए रखने और सुधारने के लिए वह सालाना कम से कम छह अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेने की योजना बना रहे हैं। नाथवानी की सफलता के पीछे उनके परिवार का अटूट समर्थन है, खासकर उनकी मां विधि नाथवानी का।

उनकी मां ने कहा, 'जब ऋषित चोटिल हुआ तो डॉक्टरों ने हमें कहा कि उसे खेलों को छोड़ने के बारे में सोचना चाहिए क्योंकि वह बिस्तर से उठ भी नहीं पाएगा।' नाथवानी और उनकी मां दोनों ने पैरा खेलों के बारे में जागरूकता फैलाने की वकालत की। नाथवानी ने कहा, 'कई पैरा खिलाड़ियों को उन खेलों के बारे में पता ही नहीं है जिन्हें वे खेल सकते हैं। जब वे टीवी पर इन खेलों को देखेंगे तो उन्हें अहसास होगा कि वे भी इसमें भाग ले सकते हैं और बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रात के खाने में ना खाएं दही

हम सभी जानते हैं कि दही खाना सेहत के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही एक सुपर फूड है, जिसे हर दिन खाया जा सकता है और यह सेहत को सिर्फ एक नहीं अनेक तरीकों से लाभ पहुंचाती है। पाचन से लेकर त्वचा और बाल सबको हेल्दी रखती है। इस विषय पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है। आज हम इस विषय पर बात करेंगे कि आखिर रात के खाने में दही खाने को क्यों मना किया जाता है.

लाभकारी दही हानि क्यों करने लगती है?

- आपने अपने पैरंट्स से अक्सर सुना होगा कि रात के समय दही या दही से बना रायता नहीं खाना चाहिए। लेकिन आज कल शादी-पार्टीज में यह ट्रेंड है कि आप रात के 12 बजे भी डिनर ले रहे होंगे तो आपको रायता जरूर मिलेगा खाने में.। खैर, सर्व करनेवाले तो सर्व करते है। यह तो आपको निर्णय लेना है कि रात में रायता या दही खाकर आप बीमार पड़ना चाहते हैं या नहीं।
- दही पाचनतंत्र को ऊर्जा देने का काम करती है। साथ ही हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। लेकिन यदि दही का सेवन रात में किया जा तो पाचनतंत्र भी डिस्टर्ब होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है।

पाचकाग्नि को मंद हो जाती है

- अब आपके मन में यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर रात में दही खाने पर ऐसा क्या हो जाता है? तो जान लीजिए कि रात को दही खाने पर पाचनतंत्र मंद हो जाता है। आयुर्वेद की भाषा में बात करें तो जठराग्नि मंद हो जाती है और शरीर की वायु कुपित हो जाती है। इस कारण रात में दही का सेवन करने पर हाथ, पैर, सिर, कमर या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है।

जुकाम लगा सकती है दही

- इसके साथ ही दही खाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता पर इस लिए बुरा असर पड़ता है, क्योंकि दही तासीर में ठंडी होती है। यदि रात में दही खाई जाती है तो शरीर में कफ की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। इससे गले में दर्द, खराश, बलगम वाली खांसी, सिर में भारीपन, जुकाम आदि की समस्या हो सकती है।

जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है

- जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की शिकायत होती है यदि वे लोग रात के समय दही खाना शुरू कर दें तो यकीन मानिए कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब उनके जोड़ों का दर्द इस कदर बढ़ जाएगा कि दिन-रात का चैन खो सकता है।

सो नहीं पाते ऐसे लोग

- जिन लोगों को अस्थमा की शिकायत है, उन्हें रात के समय भूल से भी दही का सेवन नहीं करना चाहिए। नहीं रात के समय अस्थमा अटैक के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है। हालांकि सभी लोगों को इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए खट्टी दही और मीठी दही दोनों के शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होते हैं। लेकिन रात के समय आपको किसी भी प्रकार की दही लेने से बचना चाहिए।

आ सकता है बुखार

- रात के समय दही खाना आपको बुखार आने का कारण भी बन सकता है। इसकी वजह ऊपर बताए गए कारणों को मिलाकर तैयार हो जाती है। क्योंकि शरीर में पित्त और वायु का कुपित होना, जुकाम लगना, शरीर में दर्द होना जैसी समस्याएं शरीर के सामान्य तापमान को स्थिर नहीं रहने देती हैं। इससे बुखार आने की समस्या हो सकती है।

रात को दही खाने से बढ़ती है सूजन

- रात को दही खाने से शरीर में सूजन बढ़ने की समस्या बढ़ सकती है। क्योंकि रात में दही का सेवन करने से पित्त की मात्रा में बढ़ोतरी हो सकती है, जो आपके शरीर में सूजन बढ़ाने का काम करेगा।
- अगर आपके शरीर में सूजन की समस्या पहले से है या कोई चोट लगी हुई है तो रात के समय दही खाना आपके शरीर को अंदर से कमजोर करने का काम करेगा। इससे आपके शरीर में दर्द और पीड़ा कई गुना बढ़ सकती है।

जरूरी नहीं अगले दिन ही दिखे रिजल्ट

- अगर आपको लगता है कि आपने तो रात को दही खाई थी, आपको तो कोई समस्या नहीं हुई। तो यह जरूरी नहीं है कि आपने रात में दही खाई है तो अगले दिन सुबह के समय ही आपके शरीर में बीमारी के लक्षण दिखने लगेंगे। ये लक्षण दिन में किसी समय, अगली रात में या एक-दो दिन बाद भी नजर आ सकते हैं।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हर किसी की रोग प्रतिरोधक क्षमता अलग-अलग होती है। एक तरफ जहां किसी में एक बार रात को दही खाने के बाद कुछ ही घंटे में तबीयत खराब हो सकती है तो किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में इसका असर 3 दिन बाद भी दिख सकता है।

खून के थक्के बनने से रोकने की दवा लेते हैं तो न खाएं हरा साग

हरा साग जैसे पालक क्लॉटिंग रोकने वाली वार्फरिन या कुमारिन दवाओं के असर को काफी हद तक कर देता है बेअसर इसलिए ऐसे लोग जो इन दवाओं को प्रयोग करते हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि हरा साग न खाएं।

जिन रोगियों में खून के असामान्य थक्कों के बनने और खून जमने की समस्या होती है, उन्हें एक विशेष दवा के सेवन के कारण कई बार हरा साग खाने से मना किया जाता है। यह दवा वार्फरिन है। यह और इसके जैसी अनेक दवाएं, जिन्हें कुमारिन-परिवार की दवाएं कहते हैं, विटमिन-के का प्रतिरोध करती हैं। इम्यूनोलॉजिस्ट एवं र्यूमैटॉलजिस्ट कहते हैं, विटमिन-के का काम खून की क्लॉटिंग से होता है। यह विटमिन यकृत में जमा होता है और इसी कारण हमारा खून सही ढंग से जमता है। यह विटमिन शरीर में क्लॉटिंग फैक्टरों का निर्माण करता है। विटमिन-ख न हो तो न जाने कितने ही लोगों की रक्तस्राव से मौत हो जाए, लेकिन फिर अनेक रोगियों में खून का जमना हानिकारक हो जाता है। मान लीजिए किसी रोगी में हृदयवॉल्व की सर्जरी हुई है या उसे कोई ऐसा रोग है, जिसमें खून बार-बार और जल्दी-जल्दी जमा करता है। ऐसे में अगर विटमिन-के का प्रतिरोध न किया गया, तो फिर खून का लगातार जमना हानिकारक या कभी-कभी जानलेवा साबित होगा। इसलिए ऐसे रोगियों में खून को पतला करने वाली दवाएं चलाई जाती हैं। इन्हीं दवाओं में कुमारिन-परिवार की सदस्य दवाएं भी शामिल हैं, जिनमें वार्फरिन प्रमुख है। हरा साग विटमिन-के का प्रमुख स्रोत है। इसे खाने से शरीर को विटमिन-ख की प्राप्ति होती है। लेकिन फिर जिन रोगियों को विटमिन-ख नहीं चाहिए या जिनके लिए विटामिन-के की प्रचुरता हानिकारक है, वे क्या करें? वह ब्लड की क्लॉटिंग (स्तम्भन) को रोकने के लिए वार्फरिन जैसी दवाओं पर निर्भर रहते हैं। और हरे साग का सेवन वार्फरिन को समुचित कार्य करने से रोकेगा।

आयरन की गोलियां खाएं

इसलिए डॉक्टर की सलाह होती है कि अगर आप वार्फरिन या अन्य कुमारिन-दवाएं खाते हैं, तो हरा साग कम-से कम खाएं या न खाएं। हां, यह जरूर है कि ऐसा करने से आपको आवश्यक आयरन नहीं मिलेगा और अनीमिया की आशंका बढ़ जाएगी, लेकिन ऐसी परिस्थिति में वार्फरिन के साथ हरे साग की बजाय आयरन की गोलियों का सेवन कहीं बेहतर है।

खर्राटों की समस्या से निजात दिलाएगा चुंबक

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चंबुकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण-प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है।

इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा।

यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगतीं। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियों जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबंध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लैकेनहोर्स्ट ने कहा, हरी पत्तेदर सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबंधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन- के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

घुटने का दर्द हो जाएगा छूमंतर ट्राय करें यह देसी नुस्खा

बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहां पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।

क्यों होता है घुटनों में दर्द?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नींबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।

एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सदन में लोकसभा स्पीकर की टिप्पणी पर विपक्ष ने जताया ऐतराज, की मुलाकात

कहा- सुषमा स्वराज जब नेता प्रतिपक्ष थीं तो उन्हें क्या सम्मान मिलता था, सबने देखा

नई दिल्ली।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में बोलने नहीं देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सदन को अलोकतांत्रिक तरीके से चलाया जा रहा है। राहुल गांधी पर स्पीकर ओम बिरला ने टिप्पणी की थी और कहा था कि किसी भी सदस्य का व्यवहार सदन की गरिमा के मुताबिक होना चाहिए। स्पीकर ने कहा था कि मेरे संज्ञान में ऐसे कई मामले आए हैं, जिनमें सदस्यों का व्यवहार सदन की गरिमा के अनुरूप नहीं रहा। इस सदन में पिता और बेटी, मां और बेटी और पति एवं पत्नी भी मेंबर के तौर पर बैठते हैं। इसलिए नेता विपक्ष से अपेक्षा की जाती है कि वह अपना व्यवहार सदन के अनुसार ही रखें। उनकी इस टिप्पणी पर राहुल गांधी ने सख्त ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसा कुछ नहीं कहा और सदन को अलोकतांत्रिक तरीके से चलाया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने बुधवार को शून्यकाल के बाद राहुल गांधी से कहा था कि वह सदन के नियमों और परंपराओं के अनुरूप आचरण करें तथा उनसे ऐसी अपेक्षा भी की जाती है। इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित कर दी थी।

सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद कांग्रेस के सांसदों ने स्पीकर बिरला से मुलाकात की और नेता प्रतिपक्ष को बोलने का मौका नहीं देने को लेकर विरोध जताया। राहुल गांधी ने संसद परिसर में ही मीडिया से बातचीत में कहा कि लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने मेरे बारे में कुछ बोला। जब मैं खड़ा हुआ तो वह उठकर चले गए और सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। उन्होंने दावा किया कि जब भी मैं सदन में बोलने के लिए खड़ा होता हूं तो बोलने नहीं दिया जाता, जबकि यह परंपरा रही है कि नेता प्रतिपक्ष खड़ा हो तो उसे बोलने दिया जाए। पता नहीं किस प्रकार से सदन से चल रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि मैंने कुछ नहीं किया है। मैं शांति से बैठा था। पिछले सात-आठ दिन में मैंने कुछ नहीं बोला। लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों की जगह होती है, लेकिन यहां लोकतंत्र की जगह नहीं है। पता नहीं कि लोकसभा अध्यक्ष की क्या सोच है। उन्होंने आरोप लगाया कि सदन को अलोकतांत्रिक तरीके से चलाया जा रहा है। सदन में कांग्रेस के उप

नेता गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष को बोलने का मौका नहीं दिया जाता है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी के कोई सांसद या मंत्री सिर्फ खड़े हो जाते हैं तो उन्हें बोलने की खूली छूट मिल जाती है। गोगोई ने कहा कि जब सुषमा स्वराज नेता प्रतिपक्ष थीं तो लोकसभा में उन्हें क्या सम्मान मिलता था, हम सबने देखा है। उन्होंने कहा कि हम लोकसभा अध्यक्ष से मिले और अपनी आपत्ति दर्ज कराई और नेता प्रतिपक्ष की गरिमा की जो अवहेलना हो रही है, उसके बारे में बताया है। उनका कहना था कि लोकसभा अध्यक्ष से कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला है। गोगोई ने कहा कि हम चाहते हैं कि सदन चले, लेकिन यह एक साजिश है ताकि सदन में माहौल खराब हो।

अब कॉमेडियन कामरा ने पीएम मोदी को तानाशाह कहकर उड़ाया मजाक

विपक्ष ने बीजेपी की चुप्पी पर उठाए सवाल, कहा-पैरोडी गाने पर तो भड़क गए थे

मुंबई।

अभी एकनाथ शिंदे पर की गई अपमानजनक टिप्पणी का मामला ठंडा भीा नहीं हुआ है कि मुंबई के खार में हाल ही के स्टैंड-अप सेट में कुणाल कामरा ने पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का मज़ाक उड़ा दिया। उन्होंने संगीत के ज़रिए पीएम मोदी को तानाशाह और दोगला बताया। कामरा ने पीएम मोदी पर कटाक्ष करने के लिए फिल्म बादशाह के मशहूर गाने बादशाह ओ बादशाह को फिर से गाया। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का मज़ाक उड़ाने के लिए कुणाल कामरा के खिलाफ़ एफआईआर दर्ज की गई है और शिवसेना ने उनके खिलाफ धमकियां दी हैं। शिवसेना ने उस जगह पर भी तोड़फोड़ की है जहां कॉमेडियन कामरा ने परफॉर्म किया था। विपक्ष ने पीएम नरेंद्र मोदी पर कुणाल कामरा के मजाक पर बीजेपी की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं, जबकि उनके पैरोडी गाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए स्टैंड-अप कॉमेडियन को दूसरा समन जारी किया है। कॉमेडियन कामरा को शिवसेना विधायक मुरजी पटेल की शिकायत पर दर्ज मामले में उपनगरीय मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में जांच अधिकारी के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया है। पुलिस ने कुणाल कामरा को पहला समन जारी किया था, जिसमें उनके खिलाफ मानहानि मामले की जांच शुरू होने पर उनकी उपस्थिति मांगी गई। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि नोटिस मिलने के बाद कामरा ने पुलिस के सामने पेश होने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) के नेता अंबादास दानवे ने कहा कि बीजेपी कुणाल कामरा द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी पर सीधे कटाक्ष करने पर चुप रही, लेकिन उनके पैरोडी गाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें एकनाथ शिंदे का नाम नहीं लिया गया था। दानवे ने कहा कि कुणाल कामरा ने अपने शो में सीधे पीएम मोदी की आलोचना की, और बीजेपी ने कोई बुरा नहीं माना, लेकिन वही पार्टी एक पैरोडी गाने पर भड़क गई, जिसमें शिंदे का नाम भी नहीं था। ऐसा लगता है कि बीजेपी कामरा को निशाना बनाने के लिए शिंदे का इस्तेमाल कर रही है। एकनाथ शिंदे का नाम लिए बिना, कामरा ने उपमुख्यमंत्री पर उनके राजनीतिक करियर को लेकर निशाना साधा, जिसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ 2022 का विद्रोह भी शामिल है, जिसके कारण महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई थी।

ऐश्वर्या की कार को बस ने मारी टक्कर, वीडियो हुआ वायरल

बिग बी के बाउंसर ने ड्रायवर को जड़े थप्पड़

मुंबई।

ऐश्वर्या राय बच्चन की कार को मुंबई के जुहू उपनगर में एक बस ने बुधवार को टक्कर मार दी। इस पूरी घटना का वीडियो अब वायरल हो रहा है। इस घटना के दौरान ऐश्वर्या राय कार में थी या नहीं, उनका क्या हाल है। इसे लेकर अपडेट सामने आया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐश्वर्या राय के करीबी सूत्रों ने बताया है कि ऐश्वर्या बिल्कुल ठीक हैं और यह बड़ा एक्सीडेंट नहीं था। इस घटना के वक्त वह गाड़ी में नहीं थी। एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें हाई-एंड कार दिखाई दे रही थी, जिसके पीछे बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट उपक्रम की लाल रंग की बस थी।सूत्रों ने बताया था कि ऐश्वर्या कार में नहीं थीं, जिसे बस ने पीछे से टक्कर मारी थी। वीडियो में कार को दिखाया गया है, जिसे बस से टक्कर लगने के कारण कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन कुछ देर बाद कार तेजी से निकल गई। बेस्ट के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद जुहू तारा रोड पर मेगास्टार अमिताभ बच्चन के आवास के पास स्थित बंगले से एक बाउंसर बाहर आया और बस चालक को थप्पड़ जड़ दिया। अधिकारी के मुताबिक बस जुहू डिपो से निकली और जैसे ही अमिताभ बच्चन के आवास के पास पहुंची, उसने कार को टक्कर मार दी। बस चालक कार को हुए नुकसान को देखने नीचे उतरा। इस समय, अमिताभ के बंगले से एक बाउंसर बाहर आया और उसने चालक को थप्पड़ जड़ दिया।

इसके बाद चालक ने पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन किया और एक टीम मौके पर पहुंची। जब पुलिस पहुंची, तो बंगले से पर्यवेक्षी कर्मचारियों ने बस चालक से माफी मांगी।

भारतीय उत्पादों पर टैरिफ से अमेरिका जाने वाली खेप को होगा नुकसान

सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज, सिप्ला और लुपिन कंपनी अमेरिकी मार्केट पर निर्भर

नई दिल्ली।

2 अप्रैल से अमेरिका भारतीय उत्पादों पर अमेरिकी रेसिप्रोकल टैक्स लगाए जाने की संभावना है। इससे भारतीय उद्योग जगत चिंता में है और अमेरिका की जवाबी शुल्क लगाने की योजना को लेकर भारत और अमेरिका के बीच चल रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर नजर जमाए हुए है। मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा कि प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत जारी रही है। उद्योग जगत इसे (बीटीए) जल्द से जल्द करने की मांग कर रहा है, अन्यथा उन्हें अमेरिकी जवाबी शुल्क से नुकसान होगा। हर कोई इसके संभावित प्रभाव से बचाने के लिए लिख रहा है। सूत्र ने कहा कि उद्योग चिंतित है, बहुत सारी नौकरियां दांव पर लगी हैं। निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका द्वारा जवाबी शुल्क से भारत को छूट देने से दोनों देशों के बीच निर्बाध द्विपक्षीय व्यापार को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पादों पर कोई भी शुल्क अमेरिका को जाने वाली खेप को नुकसान पहुंचाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वाहन शुल्क जल्द ही लागू होंगे, जबकि उन्होंने संकेत दिया कि कुछ देशों को 2 अप्रैल को लगाए जाने वाले जवाबी शुल्क से छूट दे सकते हैं। अमेरिकी टैरिफ से कई भारतीय उद्योगों और कंपनियों के मुनाफे पर असर पड़ सकता है, जिससे उन्हें नुकसान हो सकता है। इनमें कुछ प्रमुख उद्योग हैंजजिनमें भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले रत्न और आभूषणों का मूल्य 2024 में करीब 8.5 बिलियन डॉलर था। अब अमेरिकी टैरिफ के चलते से इस सेक्टर की कंपनियों को निर्यात में कमी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं अमेरिकी टैरिफ से केमिकल और मेटल उत्पादों का निर्यात पर भी असर पड़ सकता है। सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज, सिप्ला और लुपिन, अमेरिकी मार्केट पर ज्यादा निर्भर हैं, ऐसे में अमेरिकी टैरिफ बढ़ने से इनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

इसके अलावा, ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स व टेक्सटाइल इंडस्ट्री भी अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित होगी। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा है कि भारत निश्चित रूप से जवाबी शुल्क से छूट का हकदार है क्योंकि यह द्विपक्षीय व्यापार करार और विभिन्न स्तर पर अमेरिका के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ा है।

सिंधिया की युवाओं को सीख.......जोखिम लेने से होगा विकास संभव

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने युवा भारतीयों से आग्रह किया कि वे अपने आरामदायक दायरे से बाहर निकलें और चुनौतियों को स्वीकार करें। उन्होंने कहा कि जोखिम लेने से ही असली विकास संभव है। एक सम्मेलन में अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे विदेश जाने का फैसला उनकी जिंदगी बदलने वाला साबित हुआ। दिल्ली में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा, कि 'आरामदायक दायरा एक जाल है। असली यात्रा तो तब शुरू होती है जबकि आप उससे आगे कदम बढ़ाते हैं।' इस दौरान भाजपा नेता सिंधिया ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अपने अनुभवों को भी साझा किया और बताया कि कैसे उनके माता-पिता शुरू में उन्हें विदेश भेजने के खिलाफ थे। उन्होंने बताया कि तब उन्हें डर था कि मुझे विदा में संघर्ष करना पड़ेगा और सच कहूं तो मुझे भी संदेह था। लेकिन उस एक फैसले ने मेरी जिंदगी को बदल दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बढ़ रहा है और आगे बढ़ने के लिए युवाओं को जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के प्रति केंद्र का अमानवीय रवैया:वेणुगोपाल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार पर वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के प्रति अमानवीय रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि प्रभावित लोगों के लिए तत्काल ऋण माफी की घोषणा की जाए।

कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने राहत पैकेज देने में देरी की और जब दिया भी, तो वह व्यावहारिक शर्तों के साथ ऋण के रूप में था। कांग्रेस इस आपदा में मारे गए और प्रभावित लोगों के लिए राहत की मांग कर रही है। वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि केंद्र ने उन लोगों के प्रति अमानवीय दृष्टिकोण प्रदर्शित किया, जिन्होंने जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी झेली है।' उन्होंने कहा कि लोक लेखा समिति (पीएसी) ने भी केंद्र से वायनाड के पीड़ितों के लिए तुरंत ऋण माफी की घोषणा करने को कहा है। कांग्रेस वायनाड भूस्खलन के पीड़ितों के लिए केंद्र से राहत की मांग कर रही है। आपदा में सैकड़ों लोग मारे गए हैं और अनेक लोग घायल हुए हैं, वहीं संपत्तियों को भी खासा नुकसान हुआ है। मानवीय आधार पर पीड़ितों को राहत प्रदान करने की मांग कांग्रेस करती आ रही है।

अवैध रुप से रह रहे 17 बांग्लादेशी हिरासत में, पुलिस का अभियान जारी

मुंबई।

मुंबई के शिवाजी नगर और आरसीएफ थाने की संयुक्त टीम ने मुंबई के गोवंडी और चेंबूर इलाकों में अभियान चलाकर अवैध रूप से रह रहे 17 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इनमें 5 महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने अवैध घुसपैठियों की तलाश के लिए विशेष टीमों का गठन किया है। हर टीम को एक निश्चित क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई है, जहां उन्होंने गहन जांच-पड़ताल कर अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया। जानकारी के मुताबिक मुंबई पुलिस अब अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों पर और कड़ी नजर रखेगी। ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि अवैध रूप से रह रहे घुसपैठियों पर पूरी तरह से शिकंजा कसा जा सके। गिरफ्तार किए गए सभी बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ विदेशी अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब जांच कर रही है कि इनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड तो नहीं है या इन्हें किसी गिरोह द्वारा शरण तो नहीं दी गई थी। इससे पहले 13 मार्च को मुंबई के जोगेश्वरी इलाके से पुलिस ने दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था, उनके पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए और जांच में खुलासा हुआ था कि वे मजदूरी कर अपना कर्ज चुकाने का प्रयास कर रहे थे। मुंबई पुलिस को जानकारी मिली थी कि कुछ बांग्लादेशी नागरिक रोजगार की तलाश में जोगेश्वरी आने वाले हैं।

विषाक्त भोजन खाने से 4 बच्चों की मौत, 20 से ज्यादा बीमार, अस्पताल में भर्ती

-विभाग ने पुनर्वास केंद्र से खाद्य नमूने लिए, कलेक्टर ने बनाई कमेटी

लखनऊ। लखनऊ में एक सरकारी पुनर्वास केंद्र में विषाक्त भोजन खाने से चार बच्चों की मौत हो गई और कई बीमार हो गए। जानकारी के मुताबिक पुनर्वास केंद्र में रह रहे करीब 20 से ज्यादा बच्चे अचानक बीमार हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मरने वाले बच्चों में दो बालक और दो बालिकाएं शामिल हैं। अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि पुनर्वास केंद्र से करीब 20 बच्चे मंगलवार शाम इस अस्पताल में लाए गए। ये सभी बच्चे मानसिक रूप से कमजोर हैं। सभी प्रयासों के बावजूद चार बच्चों की मौत हो गई। गंभीर रूप से बीमार दो बच्चों को एक दूसरे सरकारी अस्पताल रेफर किया गया है और शेष 16 बच्चों की हालत में सुधार हो रहा है। इस घटना को लेकर लखनऊ के जिलाधिकारी ने एक कमेटी बनाई है और स्वास्थ्य विभाग तथा खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी पीड़ित बच्चों से पूछताछ के लिए अस्पताल पहुंचे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पुनर्वास केंद्र से जांच के लिए खाद्य नमूने लिए गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। जिला परिवीक्षा अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की कि इस केंद्र में 147 बच्चे हैं जिनमें बेसहारा औरकराई जाएगी।

कैंसर, हार्ट और डायबिटीज की दवाओं की कीमतों में 1.7 फीसदी की हो सकती वृद्धि

नई दिल्ली।

भारत में जल्द ही कैंसर, डायबिटीज, हार्ट संबंधी रोगों की दवाओं और एंटीबायोटिक्स की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है। सरकारी नियंत्रण में आने वाली इन दवाओं की कीमतों में 1.7 फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है। यह असर अगले दो से तीन महीनों में दिखाई देगा, क्योंकि मौजूदा समय में इन दवाओं का स्टॉक 90 दिनों का पहले से ही उपलब्ध है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के महासचिव ने बताया कि कच्चे माल और अन्य खर्चों में निरंतर हो रही बढ़ोतरी के कारण यह फैसला लिया गया है। इससे फार्मा इंडस्ट्री को कुछ राहत मिल सकती है। रसायन और उर्वरक से संबंधित संसद की स्थायी समिति के मुताबिक फार्मा कंपनियों पर दवाओं की कीमतें बढ़ाने और नियामक नियमों का उल्लंघन करने के आरोप पहले लग चुके हैं। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि फार्मा कंपनियों ने 307 मामलों में नियमों का उल्लंघन किया है। ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर 2013 के तहत दवाओं की अधिकतम कीमत तय की जाती है, और सभी निर्माता और विक्रेता इन कीमतों के अंदर ही दवाएं बेचने के लिए बाध्य होते हैं।

इस साल के बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 36 जीवन रक्षक दवाओं से कस्टम ड्यूटी को हटाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और अन्य गंभीर क्रोनिक रोगों से पीड़ित मरीजों को राहत देने के लिए यह कदम उठाया गया है।

सरफेस-टू-एयर स्वदेशी मिसाइल ने विश्वसनीयता और सटीकता को किया प्रमाणित

रक्षा मंत्री बोले-यह मिसाइल प्रणाली देश के रक्षा अनुसंधान एवं विकास का प्रमाण

नई दिल्ली। भारत ने स्वदेशी रूप से विकसित वर्टिकली-लॉन्च्ड शॉर्ट-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल का बुधवार को सफल परीक्षण किया। यह मिसाइल प्रणाली से भारतीय नौसेना की शक्ति में इजाफा करेगी। परीक्षण के दौरान इस अत्याधुनिक मिसाइल ने सभी तय परिस्थितियों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य को पूरी सटीकता से निशाना बनाया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस परीक्षण ने मिसाइल की विश्वसनीयता और सटीकता को प्रमाणित किया है।

परीक्षण के दौरान सभी हथियार प्रणाली तत्वों को युद्धक कॉन्फिगरेशन में तैनात किया गया था। इन हथियार प्रणाली तत्वों में स्वदेशी रेडियो फ्रिक्वेंसी सीकर, मल्टी-फंक्शन रडार और वेपंस कंट्रोल सिस्टम शामिल थे। विशेषज्ञों का कहना है कि सभी प्रणालियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को आईटीआर चांदीपुर द्वारा विकसित कई रेंज उपकरणों द्वारा कैप्चर किया गया उड़ान डेटा से सत्यापित किया गया।

मंत्रालय ने कहा कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना ने बुधवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से दोपहर 12 बजे मिसाइल का परीक्षण किया। यह परीक्षण भूमि आधारित वर्टिकल लांचर से एक उच्च गति वाले हवाई लक्ष्य के खिलाफ बहुत निकट रेंज और निम्न ऊंचाई पर किया गया। इस परीक्षण ने मिसाइल प्रणाली की नियर-बाउंड्री-लो अल्टीट्यूड क्षमता को स्थापित किया।

लोकसभा में स्पीकर और शिवसेना सांसद ने की गडकरी की जमकर तारीफ

ओम बिरला ने परिवहन मंत्री से मजाकिया अंदाज में पूछा- कोई मार्ग बचा है क्या?

नई दिल्ली।

एक ओर जहां लोकसभा में गुरुवार विपक्षी शिवसेना (उद्धव गुट) के एक सदस्य ने देशभर में सड़कों और राजमार्गों के निर्माण के लिए गडकरी की तारीर की। वहीं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी सड़क परिवहन मंत्री की सराहना करते हुए टिप्पणी की। सदन में प्रश्नकाल में महाराष्ट्र के परभनी से शिवसेना (उबाठा) के सदस्य संजय जाधव ने गडकरी की तारीफ करते हुए कहा कि वह महाराष्ट्र के ऐसे सुपुत्र हैं जिन्होंने देशभर में सड़कों पर बहुत काम किया है। गडकरी ने जाधव के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए सदन को बताया कि इंदौर से हैदराबाद तक एक राजमार्ग बनाया जा रहा है जो महाराष्ट्र के नांदेड़ से निकलेगा।

गडकरी ने कहा कि महाराष्ट्र में पुणे से अहमदनगर से होते हुए छत्रपति संभाजीनगर के मार्ग पर 15 हजार करोड़ रुपए की लागत से एक नया ''ग्रीन अलाइनमेंट'' तैयार जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक अभिनव मॉडल है और इसमें सरकार का एक रुपया भी नहीं लगा है। गडकरी ने कहा कि पुणे से छत्रपति संभाजीनगर का रास्ता अभी छह से सात घंटे में तय होता है, लेकिन इस मार्ग के बनने के बाद दो घंटे में पूरा हो जाएगा। गडकरी के जवाब के दौरान ही

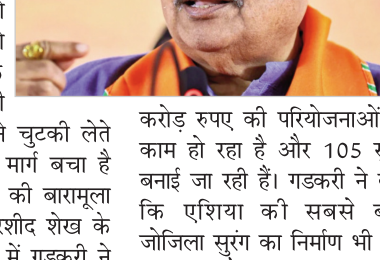

लोकसभा अध्यक्ष ने चुटकी लेते हुए कहा कि कोई मार्ग बचा है क्या? जम्मू कश्मीर की बारामूला के सांसद अब्दुल रशीद शेख के पूरक प्रश्न के उत्तर में गडकरी ने कहा कि उत्तरी राज्य में दो लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं पर काम हो रहा है और 105 सुरंग बनाई जा रही हैं। गडकरी ने कहा कि एशिया की सबसे बड़ी जोजिला सुरंग का निर्माण भी वहां किया गया है।

सौरभ हत्याकांड: साहिल से मिलने जेल पहुंची उसकी नानी बोलीं-मुस्कान ने प्रेमजाल में फंसाया

मेरठ।

सौरभ राजपूत हत्याकांड के आरोपी साहिल से मिलने आईं उसकी नानी जिला कारागार पहुंचीं। मुलाकात के दौरान उन्होंने साहिल के लिए नमकीन और कपड़े लाने की बात कही। नानी ने सौरभ की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि यह घटना बेहद दर्दनाक है और साहिल का इस मामले में शामिल होना उनके लिए बड़ा सदमा है। उन्होंने कहा कि साहिल को नशे की आदत थी, और यह घटना उसी का परिणाम है। साहिल की नानी के मुताबिक मुस्कान ने साहिल को पहले अपने हुस्न के जाल में फंसाया, फिर उसे सौरभ के कत्ल में शामिल कर लिया। नानी ने यह भी कहा कि साहिल का तंत्र-मंत्र से कोई लेना-देना नहीं है, यह पूरी तरह से एक नशे की आदत और मुसीबत की वजह से हुआ है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने बताया कि साहिल की नानी ने मुलाकात के लिए नियमानुसार पर्ची लगाई थी। जेल मैनुअल के मुताबिक परिजनों को मुलाकात की अनुमति दी जाती है, और नानी भी इस श्रेणी में आती हैं, इसलिए उन्हें मिलने दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि साहिल के साथ जेल में किसी भी तरह की

मारपीट या दुर्व्यवहार की खबर नहीं है, और यह पूरी तरह से निराधार हैं। अभी साहिल को किसी भी कार्य में नहीं लगाया गया है, क्योंकि उसे जेल में काम पर लगाने के लिए 10 दिन पूरे होने का इंतजार किया जा रहा है। जेल अधीक्षक ने बताया कि साहिल ने इच्छा जताई थी कि उसके बाल कटवाए जाएं। इस अनुरोध पर जेल प्रशासन ने उसके बाल करवा दिए। हालांकि वह गंजा नहीं हुआ है। यह प्रक्रिया जेल के अनुशासन के तहत की गई है। उधर मुस्कान से मिलने के लिए अभी तक कोई भी परिजन या रिश्तेदार नहीं पहुंचे हैं। मुस्कान के माता-पिता ने पहले ही उसे रिश्ता खत्म करने की बात कही थी। सौरभ की नृशंस हत्या के आरोप में मुस्कान और साहिल दोनों ही जेल में बंद हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के आर्मी चीफ मुनीर पर प्रतिबंध लगा सकता है अमेरिका, संसद में बिल पेश

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर पर अमेरिका प्रतिबंध लगा सकता है। इसके लिए कांग्रेस में बिल पेश किया गया है। इस बिल का मकसद पाकिस्तान में राजनीतिक विरोधियों पर दमन, खासतौर पर पूर्व क्रू इमरान खान की गिरफ्तारी को लेकर सैन्य नेतृत्व की जवाबदेही तय करना है। इस बिल को रिपब्लिकन सांसद जो विल्सन और डेमोक्रेटिक सांसद जिमी पनेटा ने अमेरिकी संसद में पेश किया है। यह प्रस्ताव 'ग्लोबल मैग्निटस्की ह्यूमन राइट्स अकाउंटेबिलिटी एक्ट' के तहत पाक के सैन्य अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश करता है। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो जनरल मुनीर और अन्य अधिकारियों पर प्रतिबंध के अलावा विदेशों में उनकी संपत्ति जब्त हो सकती है। इस बिल का डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना व इल्हान उमर और रिपब्लिकन सांसद जैक बर्गमैन जैसे 10 सांसद ने पहले ही समर्थन दे चुके हैं। विधेयक पास होने पर अमेरिका 180 दिनों के भीतर पाकिस्तान की सैन्य लीडरशिप पर प्रतिबंध लागू करेगा। जनरल मुनीर सहित अन्य अधिकारियों की पहचान की जाएगी, जिन्होंने राजनीतिक दमन में भूमिका निभाई है। इन अधिकारियों को अमेरिकी वीजा नहीं मिलेगा और उनके अमेरिका में प्रवेश पर पाबंदी लगेगी। बिल में यह भी शर्त रखी गई है कि पाक सेना का सत्ता में दखल कम होता है तो पाक पर पहले से लगे कई प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं।

अलास्का विमान दुर्घटना: पायलट और दो बच्चे 12 घंटे विंग पर बिताने के बाद बचाए गए

अलास्का, एजेंसी। अलास्का में एक विमान दुर्घटना के बाद पायलट और दो बच्चे लगभग 12 घंटे तक बर्फीली झील में डूबे हुए विमान के विंग पर फंसे रहे। एक व्यक्ति की उन पर नजर पड़ने के बाद उन्हें बचा लिया गया। टैरी गोडेस ने सोशल मीडिया पर लापता विमान की तलाश की अपील देखी और सोमवार सुबह तलाशी अभियान में निकले। उन्होंने टस्टूमेना झील में विमान का मलबा देखा और जैसे-जैसे करीब पहुंचे, उन्होंने देखा कि तीन लोग विंग पर जिंदा और हिलते-डुलते नजर आ रहे थे। इसके बाद अलास्का नेशनल गार्ड ने उन्हें बचाया। तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई। अधिकारियों का कहना है कि ठंडी रात में इतने लंबे समय तक जीवित रहना किसी चमत्कार से कम नहीं है।

ट्रंप प्रशासन को नए शरणार्थियों का प्रवेश रोकने की अनुमति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अपीलीय अदालत ने मंगलवार को ट्रंप प्रशासन को नए शरणार्थियों के प्रवेश पर रोक लगाने की अनुमति दी। राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकारी आदेश के खिलाफ कानूनी लड़ाई पर सुनवाई के बाद यह फैसला आया। जिन शरणार्थियों को पहले अमेरिका आने की अनुमति दी जा चुकी है, उन्हें आने की इजाजत होगी। लेकिन नए शरणार्थियों को फिलहाल अमेरिका में प्रवेश नहीं मिलेगा। अपीलीय अदालत ने निचली अदालत के उस फैसले पर रोक लगाई, जिसमें कहा गया था कि ट्रंप ऐसा नहीं कर सकते हैं।

अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने ड्रग तस्करी को बताया बड़ा खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन के खुफिया अधिकारियों ने कांग्रेस (संसद) के सामने गवाही देते हुए अंतरराष्ट्रीय अपराधी गिरोहों, ड्रग और मानव तस्करी को बड़ा खतरा बताया। उन्होंने कहा कि ये समूह पश्चिमी देशों में अशांति और अपराध को बढ़ावा दे रहे हैं। इस सुनवाई के दौरान गलती से लीक हुई सैन्य हमले की योजना का मुद्दा भी उठा। गवाही के दौरान, रिपब्लिकन सीनेट सदस्यों ने ड्रग तस्करी और चीन से आने वाली फेंटानिल पर फोकस किया, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने हमले की लीक हुई योजना के मुद्दे पर ट्रंप प्रशासन को घेरा। डेमोक्रेट नेता मार्क वॉर्नर ने इस लीक को अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा बताया। यह सुनवाई ऐसे समय में हुई जब यह खबर आई कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े बड़े अधिकारियों ने गलती से एक पत्रकार को यमन पर सैन्य हमले की योजनाओं से जुड़ी जानकारी भेज दी। इसमें खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ शामिल थे। इस चूक को लेकर कई सांसदों ने नाराजगी जताई और इसे प्रशासन की गंभीर लापरवाही बताया।

पाकिस्तान में दो पुलिसकर्मियों की हत्या

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में मंगलवार को दो अलग-अलग हमलों में दो पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि पहला हमला दक्षिण वजीरिस्तान के आजम वरसक इलाके में हुआ, जहां अज्ञात हमलावरों ने घर लौट रहे कांस्टेबल इमरान पर गोली चला दी। दूसरा, हमला लकी मरवत जिले के मीर आलम मंजिवाला गांव में हुआ, जहां हमलावरों ने हेड कांस्टेबल एहसानुल्लाह की हत्या कर दी और कांस्टेबल रफीउल्लाह को घायल कर दिया।

चीन के समर्थन में बयान देने पर ताइवान ने चीनी महिला को देश से निकाला

ताइपे, एजेंसी। ताइवान ने मंगलवार को एक चीनी महिला लियू झेन्या को देश से निकाल दिया, क्योंकि उसने ऑनलाइन पोस्ट में बीजिंग की ताइवान पर कब्जे की सैन्य महत्वाकांक्षा की तारीफ की थी। लियू झेन्या याया इन ताइवान नाम से सोशल मीडिया पर सक्रिय थीं। उन पर ताइवान की सामाजिक स्थिरता के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगा।

गाजा पर बदल गया इजरायल का मन, अब पूरे इलाके पर मंडरा रहा सैन्य शासन का डर

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा पट्टी लंबे समय से इजरायल और फिलिस्तीनी संगठन हमास के बीच तनाव और संघर्ष का केंद्र रहा है। अब ये इलाका एक नए और खतरनाक मोड़ की ओर बढ़ रहा है। हाल के घटनाक्रमों से संकेत मिल रहे हैं कि इजरायल अपने पुराने रुख से हटकर अब गाजा पर पूर्ण कब्जा और सैन्य शासन स्थापित करने की ओर आगे बढ़ रहा है। यह बदलाव न केवल क्षेत्रीय राजनीति में उथल-पुथल मचा सकता है, बल्कि गाजा के लाखों निवासियों के लिए मानवीय संकट को और गहरा सकता है।

दो दिन पहले इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सा'र ने कहा था कि इजरायल ने अभी तक इस बात पर कोई निर्णय नहीं लिया है कि वह गाजा में सैन्य शासन लागू करेगा या नहीं। उन्होंने यरुशलम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, हमारे मंत्रिमंडल ने अभी तक इस पर निर्णय नहीं लिया है। एक अन्य इजरायली अधिकारी ने बताया कि सरकार ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह गाजा के नागरिकों के साथ क्या करेगी।

सेना में बदलाव और ट्रंप के आने से बदला रुख?

इजरायल ने अब तक गाजा पट्टी पर सैन्य शासन के लिए दबाव डालने से परहेज किया है, लेकिन इजरायली सेना में नए चीफ ऑफ स्टाफ और रक्षा मंत्री के आने से

हालात बदल गए हैं। इसके अलावा, अमेरिका में एक नए राष्ट्रपति के आने से भी इजरायल की सोच बदली है। वाशिंगटन पोस्ट ने वर्तमान और पूर्व इजरायली अधिकारियों के साथ-साथ घटनाक्रमों के बारे में जानकारी रखने वाले अन्य लोगों का हवाला देते हुए लिखा था कि इजरायल अब राष्ट्रपति ट्रंप की योजना के मुताबिक, गाजा पर सैन्य शासन स्थापित करने पर विचार कर रहा है। इस सप्ताह वाशिंगटन, डीसी की यात्रा के दौरान, इजरायल के सामरिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के साथ गाजा पर इजरायली सैन्य नियंत्रण की योजना पर चर्चा करेंगे।

पिछले सितंबर में नेतन्याहू ने इजरायली सेना (आईडीएफ) से सहायता वितरण का कार्यभार अपने हाथ में लेने की संभावना की जांच करने को कहा था, ताकि हमास को सप्लाई चुराने से रोका जा सके, लेकिन तत्कालीन रक्षा मंत्री योआव गैलेंट और तत्कालीन आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ हर्जल हलेवी दोनों ने इस विचार का विरोध किया था।

इजरायल का बदलता रुख : पिछले कुछ वर्षों में इजरायल की नीति गाजा के प्रति मुख्य रूप से हमास के प्रभाव को कम करने और अपनी सीमाओं की सुरक्षा पर केंद्रित रही है। 2005 में इजरायल ने गाजा से अपनी बस्तियों और सैन्य टुकड़ियों को हटा लिया था, लेकिन इसके बाहरी इलाकों पर नियंत्रण बनाए रखा। इस दौरान गाजा पर हवाई हमले, आर्थिक नाकेबंदी और सीमित सैन्य अभियान इजरायल की रणनीति का हिस्सा रहे। हालांकि, 7 अक्टूबर 2023 को हमास के बड़े हमले के बाद हालात बदल गए हैं। अब इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार गाजा को लेकर एक नई और सख्त नीति अपनाती दिख रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजरायल अब गाजा को पूरी तरह अपने कब्जे में लेकर वहां सैन्य शासन स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। इस योजना के तहत गाजा को कई जोन में बांटा जा सकता है, जहां इजरायली सेना के स्थायी शिविर स्थापित किए जाएंगे और वहां की आबादी पर पूर्ण नियंत्रण रखा जाएगा। इजरायल की इस नई रणनीति के पीछे कई कारण माने जा रहे हैं। पहला, हमास के बढ़ते प्रभाव और उसकी सैन्य क्षमता को पूरी तरह खत्म करने की मंशा। दूसरा, गाजा को एक ऐसी स्थिति में लाना जहां वह इजरायल के लिए कोई खतरा न बन सके। इसके लिए इजरायल गाजा के बुनियादी ढांचे को नष्ट करने, वहां की आबादी को विस्थापित करने और क्षेत्र को अपने नियंत्रण में लेने की योजना पर काम कर रहा है। कुछ रिपोर्ट्स का दावा है कि इजरायल गाजा के बंदरगाहों और समुद्री क्षेत्रों को भी अपने कब्जे में लेना चाहता है।

35 साल से अमेरिका में रह रहे दंपति कोलंबिया निर्वासित, बच्चे हैरान-परेशान मांग रहे मदद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप सरकार अवैध अप्रवासियों पर सख्ती बरतते हुए उन्हें निर्वासित कर रही है। अब ट्रंप प्रशासन ने एक ऐसे दंपति को उनके मूल देश कोलंबिया निर्वासित कर दिया है, जो बीते 35 वर्षों से अमेरिका में रह रहे थे। दंपति के बच्चे अमेरिका में ही छूट गए हैं क्योंकि वे अमेरिकी नागरिक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दंपति अवैध तरीके से अमेरिका में रह रहे थे और उन्हें काफी कोशिशों के बाद भी अमेरिका की नागरिकता नहीं मिल सकी थी। बीती 21 फरवरी को दंपति एक रुटीन जांच के लिए यूएस इमीग्रेशन कस्टम्स एंड एनफोर्समेंट के दफ्तर पहुंचे थे। इसके बाद करीब तीन हफ्ते पहले उन्हें हिरासत में ले लिया गया और कुछ दिन हिरासत में रखने के बाद बीती 18 मार्च को उन्हें कोलंबिया निर्वासित कर दिया गया। दंपति की पहचान गलैडिस गोंजालेंज (55 वर्षीय) और नेलसन गोंजालेज (59 वर्षीय) के रूप में हुई है। दंपति को निर्वासित किए जाने के बाद उनके परिजन परेशान हैं। दंपति की तीन बेटियां हैं और तीनों अमेरिका की नागरिक हैं। एक बेटी स्टेफनी गोंजालेज ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उसके माता-पिता बीते महीने सेंटा एना इलाके में स्थित इमीग्रेशन अदालत पहुंचे थे और वे ऐसा साल 2000 से कर रहे थे। दंपति की बेटियों का कहना है कि उनके माता-पिता कानून का पालन करने वाले लोग थे और उन्होंने कभी कानून नहीं तोड़ा था। करीब चार दशकों तक उन्होंने यहां अपना परिवार बनाया और अब अचानक से उनके निर्वासन से हम हैरान परेशान हैं। बेटी ने कहा कि उसके माता-पिता बेहद दयालु और निस्वार्थ लोग थे।

अमेरिका में फिर एक भारतीय मूल के शख्स का शव मिला, बीते दिन हुआ था लापता

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका में एक बार फिर भारतीय मूल का शख्स मृत पाया गया। शव रविवार को टेक्सास के प्रिंसटन में पाया गया। मृतक की पहचान भारतीय मूल के अभिषेक कोली के रूप में हुई है। उसकी उम्र 30 साल बताई जा रही है। स्थानीय अधिकारियों को संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला है, लेकिन जांच अब भी जारी है। काफी खोज परख के बाद भी उसका पता नहीं लग सका। इसके बाद पुलिस के पास मामला पहुंचा। अगले दिन उसका शव बरामद हुआ, जिससे उसका परिवार और प्रियजन सदमे में हैं। अभिषेक कोली की पिछले साल ही शादी हुई थी। प्रिंसटन में शिफ्ट होने से पहले अपनी पत्नी के साथ फीनिक्स, टेक्सास में रहते थे। उनके जुड़वां भाई अरविंद कोली ने खुलासा किया कि अभिषेक पिछले छह महीनों से बेरोजगार थे और आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। अरविंद ने कहा, उनका अचानक चले जाना हमारे लिए असहनीय क्षति है। हम उन्हें कभी भूला नहीं पाएंगे। हमारे दिल में उनके लिए हमेशा सम्मान रहेगा। अंतिम संस्कार के खर्चों को पूरा करने और उनके पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने के लिए अरविंद ने फंडिंग जुटाना शुरू कर दिया है। 24 घंटे से भी कम समय में 59,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि जुटाई जा चुकी है।

अमेरिका शराब-कृषि उत्पाद सस्ते कराने पर अड़ा:भारत का बीच का रास्ता निकालने पर जोर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 2 अप्रैल से भारत पर रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैक्स लगाने का ऐलान कर चुके हैं। टैक्स की दर किस उत्पाद पर कितनी होगी, यह तय करने के लिए अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच की टीम इन दिनों नई दिल्ली में केंद्र सरकार से बात कर रही है। अमेरिकी टीम 29 मार्च तक रहेगी। सूत्रों के मुताबिक मंगलवार को पहले दिन दोनों टीमों में राजनीतिक-व्यापारिक रूप से अहम मुद्दों पर टैरिफ को लेकर जोरदार मोलभाव हुआ। लिंच ने अमेरिकी शराब, कृषि उत्पादों पर भारत द्वारा लगाए जा रहे आयात टैरिफ में बड़ी कटौती करने को कहा। जबकि भारत ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन अपनी प्राथमिकताएं बताए, ताकि बीच का रास्ता निकाल सकें।

अमेरिका को 4 लाख करोड़ रु. का व्यापार घाटा खटक रहा : बातचीत में सबसे पेचीदा मुद्दा अमेरिकी कृषि और डेयरी उत्पादों की भारत में एंट्री का रहा। अमेरिकी निर्यात में 10 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा कृषि उत्पादों का है। भारत हर साल अमेरिका को 43 हजार करोड़ तो अमेरिका, भारत में 13,760 करोड़ रु. के कृषि उत्पाद बेच रहा है। दिक्कत ये है कि अमेरिका कृषि उत्पादों के लिए अपने किसानों को भारी सब्सिडी देता है, क्योंकि वहां यह कमाई का जरिया है, लेकिन भारत में कृषि 70 करोड़ लोगों की रोजी-रोटी का सवाल है। अगर भारत टैरिफ घटाता है तो भारतीय मार्केट में अमेरिकी सस्ते कृषि उत्पाद पकड़ बना लेंगे। इससे देसी किसान बाजार को भारी नुकसान हो सकता है। इसलिए भारत बीच का रास्ता निकालने को कहा है।

दोनों देशों में सालाना व्यापार 17 लाख करोड़ रु. से ज्यादा का है। इसमें भारत कर निर्यात 9 लाख करोड़ से ज्यादा का है। इस पर

अमेरिका 2.2प्रतिशत औसत टैरिफ लगाता है। जबकि अमेरिकी उत्पादों पर भारत औसत 12प्रतिशत टैरिफ लगाता है। इससे व्यापार घाटा 4 लाख करोड़ रु. से ज्यादा का है।

अमेरिका ने टैरिफ लगाया तो भारत को 60 हजार करोड़ का नुकसान : दोनों देश एक व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। एक-दूसरे के उत्पादों को समान पहुंच देने और प्रतिबंध हटाने पर बातचीत हो रही है। अमेरिका का फोकस अपनी शराब, ऑटोमोबाइल, कृषि और डेयरी उत्पादों पर आयात शुल्क घटवाने पर है। अभी यह शराब पर 150प्रतिशत, कारों पर 100 से 165प्रतिशत, और खेती उत्पादों पर 120प्रतिशत है। भारत ऐसा नहीं करता है तो उसकी धातुओं, रसायन, आभूषणों, फार्मा और ऑटोमोबाइल पर अमेरिका भारी टैक्स लगाएगा। इससे भारत को सालाना 60 हजार करोड़ रु. का नुकसान हो सकता है।

भारत ने शराब, ऑटोमोबाइल में टैरिफ घटाने के संकेत दिए

अमेरिका को भारतीय मानक ब्यूरो और क्वालिटी कंट्रोल भी खटक रहे हैं। उसके इलेक्ट्रॉनिक और आईटी उत्पाद इन मानकों पर नहीं टिक पाते। इसलिए भारत चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर लगे प्रतिबंध हटाने की दिशा में भी सोच रहा है। बैठक के पहले दिन भारत ने संकेत दिए हैं कि वह अमेरिकी मोटर साइकिल और व्हिस्की से टैरिफ घटा सकता है। मोती, खनिज ईंधन, मशीनरी, बॉयलर और विद्युत उपकरण जैसे प्रमुख निर्यातों पर टैरिफ 6 से 10प्रतिशत बढ़ सकता है। जबकि मांस, मक्का, गेहूं और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ जो अभी 30 से 60 प्रतिशततक है, जो कि बरकरार रहेगा।

रियाद में यूक्रेन और अमेरिका के बीच वार्ता खत्म, काला सागर में नौवहन व ऊर्जा केंद्रों की सुरक्षा पर फोकस

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में यूक्रेनी और अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच वार्ता का एक और दौर खत्म हो गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, यह वार्ता सोमवार को रियाद में रूसी और अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच 12 घंटे से ज्यादा समय तक चली बैठक के बाद हुई। मंगलवार को व्हाइट हाउस ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान प्रकाशित किया, जिसमें रविवार और मंगलवार के बीच यूक्रेन के साथ हुई दो दौर की वार्ता के परिणामों की सूची दी गई।

बयान के अनुसार, अमेरिका और यूक्रेन ने काला सागर में सुरक्षित नौवहन सुनिश्चित करने, बल का उपयोग खत्म करने और सैन्य उद्देश्यों के लिए वाणिज्यिक जहाजों के इस्तेमाल को रोकने पर सहमति जताई है। इसके अलावा, अमेरिका ने युद्धबंदियों की अदला-बदली, नागरिक बंदियों की रिहाई और जबरन स्थानांतरित किए गए यूक्रेनी बच्चों की वापसी में मदद करने का वादा किया। दोनों पक्षों ने रूस और यूक्रेन की ऊर्जा केंद्रों पर हमलों पर रोक लगाने के लिए दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच हुए समझौते को

लागू करने के उपायों पर सहमति जताई। वे स्थायी शांति हासिल करने के लिए काम जारी रखने पर भी सहमत हुए। बयान में दोनों युद्धरत पक्षों से हत्याएं रोकने का आग्रह किया गया और इसे स्थायी शांति समझौता प्राप्त करने की दिशा में एक आवश्यक कदम बताया गया। बयान में अमेरिका ने इन चर्चाओं की मेज़बानी और सुविधा प्रदान करने के लिए सऊदी अरब का धन्यवाद भी किया। मंगलवार को यूक्रेनी रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वाशिंगटन के साथ वार्ता के मुख्य परिणामों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका के साथ सहमति के तहत, काला सागर के पूर्वी हिस्से के बाहर रूसी सैन्य जहाजों की कोई भी गतिविधि क्षेत्र में सुरक्षित नौवहन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता का उल्लंघन करेगी और यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनेगी। इसके जवाब में, यूक्रेन अपने आत्मरक्षा का अधिकार इस्तेमाल करेगा। यूक्रेनी रक्षा मंत्री उमरोव ने बताया कि सभी पक्ष वार्ता में ऊर्जा और समुद्री समझौतों को लागू करने में तीसरे देशों के सहयोग का स्वागत करते हैं। मंत्री ने व्यवस्थाओं को सही तरीके से लागू करने के लिए अतिरिक्त तकनीकी सलाहकार बैठकें आयोजित करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

दक्षिण कोरिया में जंगल की आग ने मचाई तबाही; 18 लोगों की मौत, 1300 साल पुराना बौद्ध मठ खाक

सियोल, एजेंसी। मेरिका के कैलिफोर्निया में उत्पात मचाने के बाद अब जंगल की आग ने साउथ कोरिया में भीषण तबाही मचाई है। देश के दक्षिणी क्षेत्र में लगी इस आग में अब तक कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों के अनुसार 18 मृतकों में चार अग्निशामक और सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं। बुधवार को अधिकारियों ने बताया है कि आग में 200 से ज्यादा इमारतें राख हो चुकी हैं। वहीं लगभग 27 हजार से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। इसे कोरिया के इतिहास की सबसे भीषण जंगल की आग बताया जा रहा है। दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने बताया है कि यह आग बीते शुक्रवार को लगी थी और यह पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक है। हान ने कहा, नुकसान बढ़ता जा रहा है। ऐसी भीषण आग पहले कभी नहीं देखी गई। हम इस सप्ताह पूरी क्षमता के साथ आग को बुझाने की कोशिश करनी होंगी। हान ने कहा कि रात भर तेज हवाएं चलने की वजह से जंगल में लगी आग को बुझाने के लिए कर्मचारियों को संघर्ष करना पड़ रहा है। हान ने आगे बताया कि बुधवार को लगभग 4,650 दमकल कर्मी, सैनिक और अन्य कर्मचारी लगभग 130 हेलीकॉप्टरों की मदद से जंगल में लगी आग को बुझाने के लिए काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरुवार को थोड़ी राहत मिलने की की उम्मीद है। 1,300 साल पुराना बौद्ध मठ जलकर खाक सरकार के आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र

ने बताया कि इस आग में 1,300 साल पुराना बौद्ध मठ भी जलकर खाक हो गया है। कोरिया हेरिटेज सर्विस के अधिकारियों के मुताबिक उइसोंग में लगी आग में 7वीं शताब्दी में निर्मित गौंसा नाम के मठ को काफी नुकसान पहुंचा। अनुमान के मुताबिक आग अब तक करीब 43,330 एकड़ जमीन को अपने अंदर लील चुकी है। इससे पहले देश के दक्षिण-पूर्वी शहरों और कस्बों के अधिकारियों ने मंगलवार को लोगों को शहर खाली करने के निर्देश जारी किए थे। दक्षिण कोरिया के गृह मंत्रालय के अनुसार सबसे ज्यादा नुकसान एंडोंग, पड़ोसी काउंटी उइसोंग और सांचोंग और उल्सान जैसे शहरों में हुआ है। वहीं इससे पहले मंगलवार को अधिकारियों ने कहा था कि दमकलकर्मियों ने कुछ क्षेत्रों में लगी आग की अधिकांश लपटों को बुझा दिया है लेकिन हवा और शुष्क परिस्थितियों के कारण आग फिर से भड़क गई।

मेहुल चोकसी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, बेल्जियम सरकार बोली- उस पर कड़ी नजर है

ब्रुसेल्स, एजेंसी। भारत के भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी पर बेल्जियम सरकार कड़ी नजर रख रही है। चोकसी पर भारत में 13,850 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले का आरोप है, जो पंजाब नेशनल बैंक से जुड़ा हुआ है। इस बीच, एंटीगुआ और बारबुडा की सरकार ने पुष्टि की है कि चोकसी चिकित्सा उपचार के लिए देश से बाहर गया है, लेकिन वह अब भी एंटीगुआ का नागरिक बना हुआ है। बेल्जियम के फेडरल पब्लिक सर्विस (स्नक्क) विदेश मामलों के प्रवक्ता और सोशल मीडिया एवं प्रेस सेवा प्रमुख डेविड जोर्डेन्स ने कहा कि उनकी सरकार इस मामले को गंभीरता से देख रही है। उन्होंने कहा, मैं पुष्टि कर सकता हूं कि स्नक्क का विदेश विभाग इस मामले से अवगत है और इसे अत्यधिक महत्व देता है। हालांकि, हम व्यक्तिगत मामलों पर टिप्पणी नहीं करते। यह मामला स्नक्क न्याय विभाग के अधिकार क्षेत्र में आता है।

बेल्जियम में रह रहा चोकसी : कैरेबियाई क्षेत्र को कवर करने वाले समाचार पोर्टल एसोसिएटेड टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, चोकसी फिलहाल बेल्जियम के एंटवर्प शहर में अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ रह रहा है और उसने वहां का रहवासी कार्ड हासिल कर लिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चोकसी ने बेल्जियम में निवास आवेदन के दौरान झूठे दस्तावेज पेश किए और अपनी भारतीय व एंटीगुआ की नागरिकता की जानकारी छिपाई।

एंटीगुआ सरकार की प्रतिक्रिया : एंटीगुआ और बारबुडा के विदेश मंत्री ई. पी. चेट ग्रीन ने चोकसी के देश छोड़ने की पुष्टि करते हुए कहा, मुझे बताया गया है कि मेहुल चोकसी चिकित्सा उपचार के लिए विदेश गया है। वह अभी भी एंटीगुआ और बारबुडा का नागरिक है।

आपकी सरकार और हमारी सरकार इस मामले पर मिलकर काम कर रही हैं। हमारे दोनों देशों में लोकतांत्रिक परंपराएं हैं और हम कानून के शासन का सम्मान करते हैं। यह मामला कानूनी समीक्षा के अधीन है, जब तक अंतिम निर्णय नहीं आ जाता, इस पर कुछ भी कहना संभव नहीं है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि भारत ने बेल्जियम सरकार से चोकसी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू करने का अनुरोध किया है, हालांकि इस संबंध में भारतीय अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, चोकसी जल्द ही स्विट्जरलैंड के एक कैंसर अस्पताल में इलाज के लिए जाने की योजना बना रहा है। गौरतलब है कि मेहुल चोकसी, अपने भतीजे नीरव मोदी के साथ, पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में वांटेड है और भारत सरकार कई वर्षों से उसके प्रत्यर्पण के प्रयास कर रही है। अब यह देखना होगा कि बेल्जियम, एंटीगुआ और भारत की सरकारें इस मामले को लेकर क्या कदम उठाती हैं।

जाफर एक्सप्रेस पर हमले मामले में ताबड़तोड़ कार्रवाई, हमलावरों के चार मददगार गिरफ्तार : इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान से जाफर एक्सप्रेस पर हुए हमले मामले में बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। बलूचिस्तान पुलिस के आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) ने चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। उन पर 11 मार्च को बोलन जिले में जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक करने और 400 से अधिक यात्रियों को बंधक बनाने में शामिल बलोच लड़ाकों की कथित तौर पर मदद करने का आरोप है। दरअसल, 11 मार्च को प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) से जुड़े लड़ाकों ने 440 यात्रियों को ले जा रही जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर लिया था। हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों सहित 26 बंधकों की जान चली गई थी। सेना ने अगले दिन सभी 33 लड़ाकों को मार गिराया था और 354 बंधकों को बचा लिया था। तब से बलूचिस्तान में कई हमले हो चुके हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भगवा वस्त्र धारण कर अपराध की दुनिया से बचने की कोशिश कर रहे इस गैंगस्टर को CID ने गिरफ्तार

नाथ संप्रदाय के साधु के रूप में जीवन जी रहा कुख्यात अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर बंटी पांडे CID के हत्थे चढ़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भगवा वस्त्र धारण कर अपराध की दुनिया से बचने की कोशिश कर रहे इस गैंगस्टर को CID ने गिरफ्तार किया है। वह वापी के उद्योगपति के बेटे के अपहरण और हत्या के सनसनीखेज मामले में शामिल था। कभी छोटा राजन के लिए काम करने वाला यह गैंगस्टर अब CID की हिरासत में है। उसे तिहाड़ जेल से ट्रांसफर वारंट के जरिए सूरत लाया गया है।

गैंगस्टर बंटी पांडे ने पांच साल पहले नाथ संप्रदाय की दीक्षा लेकर साधु बन गया था। वह केवल फल और दूध का सेवन करता था और शरीर पर भस्म लगाता था। उसने पिछले पांच सालों से अनाज तक नहीं खाया था। नाथ संप्रदाय के कई संतों ने उसे महंत के रूप में स्वीकार कर लिया था। लेकिन इस संत वेश के पीछे एक खतरनाक अपराधी छुपा था, जो हत्या, फिरौती और अपहरण जैसे गंभीर अपराधों में लिप्त था।

साल 2004 में वापी के उद्योगपति मुतुर अहमद कादिरखान के बेटे अबुजर का अपहरण कर लिया गया था। अपहरणकर्ताओं ने परिवार से दो बार फोन करके 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। परिवार ने कुछ रकम भी चुका दी, फिर भी अबुजर को जिंदा नहीं छोड़ा गया। अपहरणकर्ताओं ने उसकी बेरहमी से गला काटकर हत्या कर दी और शव को महाराष्ट्र बॉर्डर के असवाली डैम के पास फेंक दिया। घोलवड़ पुलिस को केवल शरीर का धड़ मिला, लेकिन अबुजर का सिर कभी बरामद नहीं हो सका।

जांच के दौरान, सूरत क्राइम ब्रांच ने एक अन्य मामले की पड़ताल करते हुए संजय सिंह उर्फ राहुल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि गैंगस्टर बंटी पांडे के साथी भूपेंद्र बोरा और संजय सिंह ने मिलकर अबुजर का अपहरण और हत्या की थी।

1993 के मुंबई बम धमाकों के बाद, बंटी पांडे छोटा राजन की गैंग में शामिल हो गया था। उस समय, जब छोटा शकील और दाऊद इब्राहिम की गैंग के लोगों की गिरफ्तारियां और हत्याएं हो रही थीं, तब छोटा राजन अपनी अलग गैंग चला रहा था। बंटी पांडे ने छोटा राजन के लिए फिरौती वसूलने का काम किया।

कुछ समय बाद, उसने अपनी खुद की गैंग बना ली और हत्या, फिरौती, अपहरण जैसे अपराधों को अंजाम देने लगा। बंटी पांडे वियतनाम, दुबई, नेपाल और सिंगापुर जैसे देशों में जाकर अपना अंडरवर्ल्ड ऑपरेशन चला रहा था।

बंटी पांडे को 2011 में वियतनाम में इंटरपोल द्वारा गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद उसे भारत लाया गया। वह मुंबई, गुजरात, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में कई आपराधिक मामलों में शामिल था, जिसके कारण उसे अलग-अलग जेलों में रखा गया।

जेल में रहने के दौरान, बंटी पांडे ने आध्यात्मिक मार्ग अपनाया और नाथ संप्रदाय के महंत दंडीनाथ महाराज के संपर्क में आया। आध्यात्मिक शिक्षा लेने के बाद, वह नाथ संप्रदाय में शामिल हो गया और च्च्प्रकाशानंद गिरीज्ज के नाम से पहचाने जाने लगा।

जेल से बाहर आने के बाद, बंटी पांडे ने साधु का वेश धारण कर लिया। अखाड़े के महंत राजेंद्र गिरी महाराज ने उसे गुरुदीक्षा दी, और वह नाथ संप्रदाय के जुना अखाड़े का महंत घोषित हुआ।

संत के वेश में यह अपराधी नैनीताल, गंगोत्री, मुन्सियारी और गंगोलीहाट के कई मंदिरों में महंत के रूप में सम्मान पाने लगा। उसके कई अनुयायी भी बन गए थे, जो उसे एक आध्यात्मिक गुरु मानते थे।

2004 में अबुजर के भाई ओएेज़ को फिरौती के लिए किए गए तीन फोन कॉल रिकॉर्ड हो गए थे। पुलिस ने ऑडियो एनालिसिस और स्पेक्ट्रोग्राफी टेस्ट के जरिए बंटी पांडे को अपराधी साबित किया।

ACB की सफल कार्रवाई

ज़मीन दस्तावेज़ों के लिए 18,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा

दहेगाम के निलंबित नायब मामलतदार और उसके सहायक को

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) को शिकायत मिली थी कि दहेगाम के नायब मामलतदार और उनके सहायक (मलतिया) ज़मीन संबंधी दस्तावेज़ जारी करने के लिए रिश्वत मांग रहे थे।

ACB की टीम ने जाल बिछाकर उन्हें रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। दोनों अधिकारियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

गांधीनगर एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने दहेगाम के निलंबित नायब मामलतदार और उनके सहायक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। आरोपियों में प्रविणभाई मुलजीभाई परमार (54 वर्ष) और नितेषकुमार जठालाल राजन (टाइपिस्ट) शामिल हैं।

शिकायतकर्ता ने अपनी बेची गई कृषि भूमि की बिक्री प्रविष्टि रद्द करने के लिए गांधीनगर प्रांत अधिकारी और कलेक्टर की अदालत में RTS अपील दायर की थी। लेकिन, अपील से जुड़े दस्तावेज़ गुम हो जाने के कारण उन्होंने संबंधित कार्यालयों में आवेदन किया।

इसी दौरान दोनों आरोपियों ने बिक्री प्रविष्टि रद्द करने और अपील के दस्तावेज़ उपलब्ध कराने के बदले 18,000 की रिश्वत मांगी। शिकायतकर्ता ने तुरंत ACB से संपर्क किया।

जाल बिछाकर ACB ने 27 मार्च 2025 को गांधीनगर सिविल अस्पताल के गेट और एम.एस. बिल्डिंग के पीछे ट्रैप लगाकर नितेषकुमार को रिश्वत लेते हुए पकड़ा। उसने यह राशि प्रविणभाई को दी, जिसके बाद दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

कार्रवाई का नेतृत्व:

-ट्रैपिंग अधिकारी: पुलिस इंस्पेक्टर डी.ए. चौधरी

- सुपरवाइज़िंग अधिकारी: सहायक निदेशक ए.के. परमार

ACB ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

1814 करोड़ के GST घोटाले में फरार आरोपी गिरफ्तार फर्जी बिलों के जरिए सरकार को नुकसान पहुंचाने के अपराध

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मोहम्मद सुल्तान कापड़िया ने 145 फर्जी फर्में खड़ी कीं, सीमेंट, लोहा, केमिकल्स, प्लास्टिक, वुडन, स्क्रैप के फर्जी बिल बनाए।

करोड़ों रुपये के त्रस्ज्ञ घोटाले में आरोपी मोहम्मद सुल्तान मोहम्मद यूसुफ कापड़िया फरार था, जिसे सूरत क्राइम ब्रांच की इकोनॉमिक ऑफेंस सेल ने मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दो अन्य आरोपियों के साथ मिलकर 1814 करोड़ रुपये के फर्जी खरीद-बिक्री बिलों के जरिए सरकार को नुकसान पहुंचाने के अपराध में शामिल था।

इको सेल द्वारा गिरफ्तार किए गए सुल्तान कापड़िया और उसके साथियों ने सूरत और गुजरात में 145 फर्जी फर्में खड़ी कीं, जिनके नाम पर सीमेंट, लोहा, केमिकल्स, प्लास्टिक, वुडन और स्क्रैप के फर्जी बिल तैयार किए गए। ये बिल महाराष्ट्र और गुजरात के व्यापारियों को कमीशन के आधार पर बेचे जाते थे। जांच के दौरान पता चला कि इन फर्मों का कोई वास्तविक कारोबार नहीं था, बल्कि केवल GST नंबर प्राप्त करने के लिए फर्जी किराए के अनुबंध और दस्तावेज तैयार किए गए थे। इन फर्मों के जरिए फर्जी लेन-देन दिखाकर करोड़ों रुपये का टैक्स चोरी किया गया था।

सूरत इको सेल की टीम ने सूचना के आधार पर मुंबई के मीरा रोड इलाके में छापा मारकर मोहम्मद सुल्तान कापड़िया को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट ने आरोपी को 3 दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर की है, जिसमें यह जांच की जाएगी कि आरोपी के साथ और कौन-कौन फर्जी बिल बनाने में शामिल था और क्या इस घोटाले में कोई अन्य नेटवर्क सक्रिय है। और भी बड़े पैमाने की ठगी सामने आ सकती है

सूरत इको सेल के ACP जी.ए. सरवैया के अनुसार, 2024 में सेंट्रल GST विभाग ने इस घोटाले को लेकर FIR दर्ज की थी, जिसमें शुरुआती जांच में 1814 करोड़ रुपये के फर्जी बिल बनाने का मामला सामने आया था। इससे पहले इस केस में मोहम्मद रजा गभरानी नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया गया था, जो फिलहाल जेल में है। रजा से पूछताछ में मुंबई के सुल्तान कापड़िया और इमरान के भी इस घोटाले में शामिल होने की जानकारी मिली थी। अब सुल्तान कापड़िया की गिरफ्तारी के बाद इमरान और अन्य आरोपियों के खिलाफ भी जांच का दायरा बढ़ाया जाएगा। पुलिस जांच में और भी बड़े पैमाने की ठगी सामने आ सकती है।

चिखली अस्पताल में आउटसोर्स क्लर्क ने

22 लाख की हेराफेरी स्वास्थ्य विभाग टीम ने जांच की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

चिखली सिविल अस्पताल में एक आउटसोर्स क्लर्क द्वारा 22 लाख रुपये की हेराफेरी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि इस क्लर्क ने चार अलग-अलग बिलों में अनियमितताएँ कीं। इस गड़बड़ी की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल का दौरा कर जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल प्रशासन ने प्रारंभिक रिपोर्ट में पाया कि संबंधित क्लर्क ने दस्तावेजों में हेरफेर कर रकम का गबन किया। स्वास्थ्य विभाग ने आरोपी क्लर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और पूरी धोखाधड़ी की विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए हैं।

चिखली की सब-डिस्ट्रिक्ट अस्पताल में बड़ी वित्तीय गड़बड़ी सामने आई है। अस्पताल में पिछले दस वर्षों से कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी सतीश भोई द्वारा चार बिलों में लगभग 22 लाख रुपये की हेराफेरी की गई है। राजकोट मुख्यालय को मिली शिकायत के आधार पर गांधीनगर के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच शुरू की।

टीम ने दो दिनों तक अस्पताल के कर्मचारियों के वेतन सहित विभिन्न वित्तीय दस्तावेजों की गहन जांच की। जांच के बाद, टीम अपनी रिपोर्ट के साथ गांधीनगर रवाना हो गई है।

मंगलवार रात को मेहसाणा के सिविल सर्जन सहित जांच टीम ने अस्पताल अधीक्षक की उपस्थिति में छानबीन की।

तकनीकी खामी के कारण परेशानी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सिविल अस्पताल में एक्स-रे रिपोर्ट की डिजिटल प्रिंट प्लेट उपलब्ध न होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सूरत सिविल अस्पताल में एक्स-रे रिपोर्ट की डिजिटल प्रिंट प्लेट उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को परेशानी सूरत सिविल अस्पताल अक्सर किसी न किसी कारण विवादों में घिरा रहता है। आज एक नई समस्या सामने आई जब अस्पताल के एक्स-रे विभाग में रिपोर्ट की डिजिटल प्रिंट प्लेट उपलब्ध नहीं थी, जिससे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस स्थिति से मरीजों और उनके परिजनों में नाराजगी देखी गई।

सूरत सिविल अस्पताल में रोजाना आसपास के जिलों से हजारों मरीज इलाज के लिए आते हैं, जिनमें फ्रैक्चर के सैकड़ों मामले भी शामिल होते हैं। इन मरीजों को एक्स-रे विभाग में भेजा जाता है, जहां एक्स-रे लेने के बाद रिपोर्ट दी जाती है। लेकिन आज, डिजिटल प्रिंट प्लेट की अनुपलब्धता के कारण हजारों मरीजों को परेशानी उठानी पड़ी। एक्स-रे लेने के बाद रिपोर्ट तैयार करने में मैन्युअल प्रक्रिया अपनाई गई, जिससे 10 मिनट का काम घंटों में बदल गया। इसके चलते एक्स-रे विभाग में मरीजों की भारी भीड़ जमा हो गई।

अस्पताल स्टाफ को सुबह से शाम तक लगभग 1000 से अधिक मरीजों की रिपोर्ट मैन्युअली तैयार करनी पड़ी, जिससे सभी को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

सूरत में लापरवाह टेंपो चालकों की वजह से फिर हादसा लापरवाही CCTV में कैद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में नगर निगम (SMC) के कुछ टेंपो और अन्य वाहन चालकों की लापरवाही के कारण गंभीर और जानलेवा हादसे अक्सर होते रहते हैं। इसी तरह का एक और मामला वराछा के जगदीशनगर में सामने आया है।

यहां सूरत महानगर पालिका के कचरा संग्रहण टेंपो चालक ने तेज रफ्तार में एक बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक को नुकसान पहुंचा। हादसे के बाद मौके पर कई लोग इकट्ठा हो गए और चालक पर नशे में होने और तेज गति से वाहन चलाने का आरोप लगाकर हंगामा किया।

सूरत के वराछा इलाके के जगदीशनगर में एक गंभीर सड़क हादसा सामने आया, जहां सूरत महानगर पालिका (SMC) के कचरा संग्रहण टेंपो चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से चलते हुए तीन पार्क की हुई बाइकों को टक्कर मार दी।

सूरत के महिधरपुरा सब्जी मार्केट के पास स्थित भरत निवास बिल्डिंग में स्पा की आड़ में देहव्यापार, दो गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के महिधरपुरा सब्जी मार्केट के पास स्थित भरत निवास बिल्डिंग में पुलिस ने एक स्पा सेंटर पर छापा मारा, जहां देह व्यापार का धंधा चल रहा था। इस रेड के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया और तीन महिलाओं को वहां से मुक्त कराया।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इस स्पा की आड़ में अवैध गतिविधियां संचालित हो रही हैं। सूचना के आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके से सबूत जुटाए और आरोपियों को हिरासत में लिया। मामले की आगे जांच जारी है।

सूरत शहर में देह व्यापार के अवैध धंधे को रोकने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी सिलसिले में, महिधरपुरा इलाके में बरानपुरी, सब्जी मार्केट के पास स्थित भरत निवास बिल्डिंग में चल रहे एक स्पा में देह व्यापार संचालित होने की गुप्त सूचना मिलने पर महिधरपुरा पुलिस ने वहां छापा मारा।

महिधरपुरा पुलिस इंस्पेक्टर यू. जे. जोशी के मार्गदर्शन में सर्विलांस स्टाफ और महिला पुलिस की टीम ने मौके पर छापा मारा। सूचना मिली थी कि यहां स्पा के नाम पर महिलाओं से अवैध रूप से देह व्यापार करवाया जा रहा था, जहां ग्राहकों से पैसे लेकर उन्हें शारीरिक सुख प्रदान करने की सुविधाएं दी जाती थीं।

संचलक और ग्राहक गिरफ्तार

पुलिस ने रेड के दौरान स्पा संचालक परितोष परिमल मंडल (उम्र 27, मूल निवासी पश्चिम बंगाल) और स्पा के एक ग्राहक संकेत राम घाटवाल (उम्र 30, मूल निवासी महाराष्ट्र) को गिरफ्तार किया। देह व्यापार में शामिल महिलाओं को मुक्त कराया गया

स्पा में देह व्यापार के लिए रखी गई कुल 3 महिलाओं को मुक्त कराया गया है। इन महिलाओं को आर्थिक लाभ के लालच में फंसाकर देह व्यापार में धकेल दिया गया था।

पुलिस ने छापे के दौरान 48,610 रुपये का माल जब्त किया है, जिसमें नकदी, मोबाइल और अन्य सामान शामिल हैं। स्पा के मालिक को वांटेड घोषित किया गया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। महिधरपुरा पुलिस स्टेशन ने बताया कि शहर में ऐसे अवैध धंधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी को इस तरह की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की गई है।